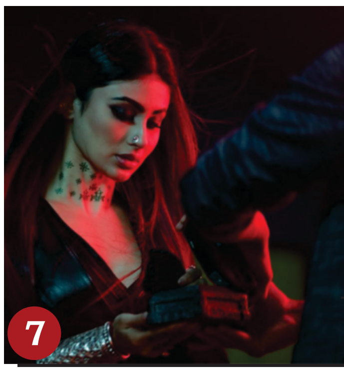
7

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 विकसित हो रहा सिटी फारेस्ट 5 कौशाम्बी तिहरा हत्याकांड 8 बीच क्यों नहीं खेली जाती द्विपक्षीय सीरीज

UPHIN51019 | वर्षः 01, अंकः 8 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 18 सितम्बर, 2023

गोरखपुर के मौसम का हाल

उमस भरी गर्मी ने किया बेहाल, अब राहत के आसार

गोरखपुर। गोरखपुर शहर के गोलघर, बेतियाहाता, रोडवेज व रेलवे स्टेशन सहित भीड़भाड़ वाले स्थानों पर लोगों की खासी भीड़ रही। उमसभ री गर्मी के कारण दुकानदार व ग्राहक पसीनें से तरबतर दिखे। पंखे व कूलर फर्राटा भर रहे थे, मगर राहत नहीं मिल रही थी।

वातावरण में पुरवा हवा की दखल से शुक्रवार को उमस बढ़ गई। इससे लोग पसीने से तरबतर रहे। शहर से गांव तक उमस भरी गर्मी रही। पुरवा हवा के चलते न्यूनतम तापमान में उछाल आ गया। जबकि अधिकतम तापमान में गिरावट। उमस भरी गर्मी में पंखे और कूलर के हवा से भी राहत नहीं मिल पा रही थी। मौसम विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान ३४ व न्यूनतम २७.२ डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

दो दिन पहले तक पश्चिमी हवा वातावरण में मजबूत पकड़ बनाए हुए थी। इससे तापमान में तेजी से इजाफा हुआ था। तल्ख धूप व पश्चिमी हवा के बीच प्रचंड गर्मी का कहर जारी रहा। शुक्रवार को पूर्वी हवा ने दस्तक दे दी। सुबह ६ बजे के बाद उमस भरी गर्मी का असर शुरू हो गया।

गोरखपुर शहर के गोलघर, बेतियाहाता, रोडवेज व रेलवे स्टेशन सहित भीड़भाड़ वाले स्थानों पर लोगों की खासी भीड़ रही। उमसभ री गर्मी के कारण दुकानदार व ग्राहक पसीनें से तरबतर दिखे। पंखे व कूलर फर्राटा भर रहे थे, मगर राहत नहीं मिल रही थी। राहगीरों एवं यात्रियों का बुरा हाल रहा। मौसम वैज्ञानिक शफीक सिद्दीकी ने बताया कि पुरवा हवा के दबाव से उमस बढ़ी है। शनिवार को बादल छाने और कुछ जगहों पर हल्की बारिश के आसार हैं।

मातृत्व वंदना योजना 2.0 हुई लागू

अब बिटिया होने पर भी मिलेंगे छह हजार

अब सरकार ने दूसरी बार में बेटी को जन्म देने पर भी प्रसूता को छह हजार रुपये तीन किस्तों में देने का फैसला लिया है। दो–दो हजार की तीन किस्त जाएंगी। खास बात यह है कि पहले बच्चे पर पांच हजार रुपये की जो किस्त तीन बार में जाती थी वह अब दो बार में जाया करेगी। यानी दो हजार पहली किस्त में और तीन हजार दूसरी किस्त में।

दिल्ली। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना में अब बदलाव हुआ है। अब तक सिर्फ पहला बच्चा होने पर पांच हजार रुपये दिए जाते थे लेकिन, अब पहले बच्चे के बाद दूसरी बार में बिटिया होती है तो छह हजार रुपये भी मिलेंगे। इस योजना के संबंध स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी आशाओं को अवगत पर कराया जा रहा है। अब इस योजना को प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना २.० नाम दिया गया है। क्योंकि बदलाव के साथ जारी की गई इस योजना में बदलाव किए गए हैं।

बता दें कि इस योजना से जुड़ी वेबसाइट हुई पिछले पांच महीने से बंद पड़ी थी। क्योंकि इस योजना की वेबसाइट में भी बदलाव का काम हो रहा था। अब न सिर्फ वेबसाइट चालू हुई है बल्कि लोगों को लिए राहत भरे कदम भी उठाए गए हैं। अब तक तीन किस्तों में पहली बार मां बनने पर पांच हजार रुपये प्रसूता के खाते में जाते थे।

बढ़ाई गई किस्त की राशि

अब सरकार ने दूसरी बार में बेटी को जन्म देने पर भी प्रसूता को छह हजार रुपये तीन किस्तों में देने का फैसला लिया है। दो-दो हजार की तीन किस्त जाएंगी। खास बात यह है कि पहले बच्चे पर पांच हजार रुपये की जो किस्त तीन बार में जाती थी, वह अब दो बार में जाया करेगी। यानी, दो हजार पहली किस्त में और तीन हजार दूसरी किस्त में।

किए गए हैं मातृत्व वंदना योजना 2.0 में बदलाव

स्थानीय सीएचसी के कार्यक्रम अधिकारी मनोज सैनी ने बताया कि प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना २.० में बदलाव किए गए हैं। अब दूसरी बार में बेटी को जन्म देने पर भी मां को हजार रुपये तीन किस्तों में देने का निर्णय सरकार ने किया है। इससे प्रस्ताव को काफी राहत मिलेगी। चिकित्सा अधीक्षक डा. योगेंद्र सिंह ने भी योजना में हुए बदलाव की पुष्टि की है।

आयकर विभाग के छापों में बड़ा खुलासा

800 करोड़ की टैक्स चोरी में फंसे आजम खां, फूट-फूटकर रोने लगे सपा नेता

लखनऊ। पूर्व मंत्री एवं सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां और उनके करीबियों के ठिकानों पर बीते तीन दिन से जारी आयकर विभाग के छापों के बाद बड़ा खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया है कि आजम खां ने जौहर ट्रस्ट के जरिए करीब ८०० करोड़ रुपये की टैक्स चोरी की है। पूर्व मंत्री एवं सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां और उनके करीबियों के ठिकानों पर बीते तीन दिन से जारी आयकर विभाग के छापों के बाद बड़ा खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया है कि आजम खां ने जौहर ट्रस्ट के जरिए करीब ८०० करोड़ रुपये की टैक्स चोरी की है। रामपुर में जौहर ट्रस्ट द्वारा मौलाना अली जौहर विश्वविद्यालय के निर्माण में करोड़ों रुपये की अनियमितताएं करके यह टैक्स चोरी अंजाम दी गई। आयकर विभाग ने जौहर ट्रस्ट के कुछ पदाधिकारियों के ठिकानों से करीब दो करोड़ रुपये नकद बरामद किया है। इसके अलावा कुछ सोने के जेवरात भी मिले, जिनका मूल्यांकन कराकर वापस दे दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक आजम खां ने जौहर विश्वविद्यालय के निर्माण में ४० करोड़ रुपये खर्च होने का दावा किया, जो जांच में गलत पाया गया। आयकर विभाग ने जब विश्वविद्यालय के भवनों का इंजीनियरों के जरिए मूल्यांकन कराया, तो इसकी लागत एक हजार करोड़ रुपये से अधिक मिली। हालांकि इसमें भूमि की खरीद को शामिल नहीं किया गया है।

ट्रेन में चढ़ने की जद्दोजहद में कोई इधर गिरा कोई उधर

गोरखपुर। वाल्मीकिनगर स्टेशन के पास न न इंटरलॉकिंग के चलते निरस्त चल रही सत्याग्रह एक्सप्रेस समेत कई अन्य ट्रेनों के यात्री दिल्ली की यात्रा के लिए वैशाली और बिहार संपर्क क्रांति में धक्का-मुक्की कर रहे हैं। सप्तक्रांति के भी रूट बदलकर चलने से तमाम यात्री गोरखपुर जंक्शन से ही यात्रा शुरू और खत्म कर रहे हैं। इसके चलते गोरखपुर जंक्शन पर इन दिनों भीड़ बढ़ गई है।

कोई बस में धक्के खा रहा है तो कोई ट्रेन में चढ़ने की जद्दोजहद में लगा है। शुक्रवार की शाम को भी स्टेशन पर ऐसा ही नजारा था।

गोरखपुर-नरकटियागंज रेल मार्ग पर वाल्मीकिनगर से मुजफ्फरपुर तक दोहरीकरण का कार्य चल रहा है। इन दिनों वाल्मीकिनगर स्टेशन के पास प्री एनआई का काम चल रहा है। इसके चलते सत्याग्रह एक्सप्रेस १६ सितंबर तक निरस्त है।

सप्तक्रांति एक्सप्रेस वाल्मीकिनगर की बजाय थावे-पडरौना के रास्ते चल रही है। करीब २० अन्य ट्रेनें भी प्रभावित हैं।

इसके चलते यात्री सीधे गोरखपुर जंक्शन पर पहुंचकर यहां से गुजरने वाली ट्रेनों से अपनी यात्रा कर रहे हैं। गोरखपुर स्टेशन के जनरल टिकट काउंटर पर भीड़ धक्का-मुक्की करती नजर आई।

पूछताछ काउंटर पर भी यात्री धक्का-मुक्की करते दिखे। बिहार संपर्क क्रांति करीब सवा घंटे देरी से गोरखपुर जंक्शन पहुंची तो यात्री ट्रेन में घुसने के लिए दौड़ पड़े। स्लीपर कोच में जिनकी टिकट कन्फर्म थी, वे भी अपनी जगह तक पहुंचने के लिए परेशान दिखे। इसके बाद वैशाली एक्सप्रेस ट्रेन करीब एक घंटे देरी से स्टेशन पर पहुंची तो यात्री जनरल कोच में घुसने के लिए एक-दूसरे पर गिरते-चढ़ते दिखे।

कोई खिड़की से अंदर सामान फेंक रहा था तो कोई अंदर घुसे अपने साथी यात्री से सीट पर जगह बचाने को चिल्ला रहा था।

हर दिन कैंसिल हो रहे करीब 100 टिकट

ट्रेनों के निरस्त होने के चलते रेलवे को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। कैंट स्टेशन पर एनआई के चलते पिछले दिनों केवल आरक्षित काउंटर पर ही हर दिन ३०० से ४०० टिकट कैंसिल हो रहे थे।

अब भी ३० से ४० टिकट रोज कैंसिल हो रहा है। आनलाइन भी टिकट कैंसिल हो रहे हैं। आरक्षित टिकट काउंटर के एक कर्मचारी ने बताया कि गोरखपुर जंक्शन से यात्रा करने वाले औसतन १०० लोग रोज टिकट कैंसिल करा रहे हैं।

सम्पादकीय

आज भी विपक्षी दलों में कांग्रेस से ज्यादा राहुल गांधी की स्वीकृति और प्रभाव है

विपक्षी एकता को बचाना बड़ी चुनौती

आज भी विपक्षी दलों में कांग्रेस से ज्यादा राहुल गांधी की स्वीकृति और प्रभाव है। कांग्रेस को लेकर विपक्षी दलों में बहुत सारे संशय और सवाल हैं। मगर राहुल को लेकर सबमें एक आश्वस्ति का भाव है कि वे जो कहते हैं करते हैं। राजनीति का उपयोग अपने ही लोगों को काटने छांटने में नहीं करते। अगर कांग्रेस के क्षत्रपों ने मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ का चुनाव खुद को केन्द्र में रखकर लड़ा तो उनके लिए चुनाव मुश्किल हो जाएगा।इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव कांग्रेस का भविष्य तय करेंगे। पांच राज्यों में चुनाव हैं। और कांग्रेस इन पांचों राज्यों में चुनाव जीतने की मुख्य दावेदार है। तीन राज्यों में तो उसका सीधा मुकाबला भाजपा से है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान में और तेलंगाना में वहां मौजूद केसीआर की सरकार से। पांचवे राज्य मिजोरम में क्षेत्रीय दल प्रभावी हैं। और राष्ट्रीय पार्टी के तौर पर कांग्रेस। मगर भाजपा ने पूरे उत्तर पूर्व में क्षेत्रीय दलों और कांग्रेस को भी तोड़कर अपनी सरकारें बना रखी हैं। पहाड़ी राज्यों के पास अपने आर्थिक रिसोर्सेस बहुत कम होते हैं। इसलिए वह केन्द्र पर बहुत निर्भर रहती है। केन्द्र में जिसकी सरकार होती है उत्तर पूर्व के राज्य और जम्मू-कश्मीर, उस पार्टी से मिलकर ही चलते हैं। फारुख अब्दुल्ला ने एक बार कहा था कि केन्द्र में अगर शैतान की सरकार भी हो तो हमें उसके साथ मिलकर चलना पड़ेगा खैर तो यह विधानसभा चुनाव बताएंगे कि कांग्रेस इसके बाद मजबूत होती है या कमजोर। अगर वह कमजोर हो गई तो इंडिया गठबंधन में भी उसकी हैसियत कमजोर हो जाएगी। यह नहीं कहा जा सकता कि कांग्रेस के कमजोर होने से विपक्षी दलों का इन्डिया गठबंधन कमजोर होगा। इन्डिया गठबंधन प्रधानमंत्री मोदी से लड़ने का भरोसा दे रहा है। जब तक वह मोदी जी के खिलाफ मुखर रहेगा अपनी ताकत को बरकरार रखेगा। देश में अब राजनीति साफ तौर पर मोदी समर्थक और मोदी विरोधियों के बीच बंट गई है। इसमें न कांग्रेस न कोई और विपक्षी दल और न ही सत्तारुढ़ भाजपा किसी का कोई बड़ा असर नहीं बचा है। अगले लोकसभा चुनाव में सीधी लड़ाई है मोदी बनाम मोदी विरोधी। तो इसलिए विधानसभाओं में कांग्रेस के अच्छा प्रदर्शन न कर पाने से कांग्रेस जरूर कमजोर होगी मगर इन्डिया नहीं। लेकिन हां! कांग्रेस के कमजोर होने से विपक्षी दलों के बीच उसकी स्थिति जरूर कमजोर हो जाएगी।

आज भी विपक्षी दलों में कांग्रेस से ज्यादा राहुल गांधी की स्वींति और प्रभाव है। कांग्रेस को लेकर विपक्षी दलों में बहुत सारे संशय और सवाल हैं। मगर राहुल को लेकर सबमें एक आश्वस्ति का भाव है कि वे जो कहते हैं करते हैं। राजनीति का उपयोग अपने ही लोगों को काटने छांटने में नहीं करते। अगर कांग्रेस के क्षत्रपों ने मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ का चुनाव खुद को केन्द्र में रखकर लड़ा तो उनके लिए चुनाव मुश्किल हो जाएगा। तीनों राज्यों के स्थानीय नेताओं कमलनाथ, अशोक गहलोत, भूपेश बघेल को याद रखना चाहिए कि २०१८ का चुनाव राहुल गांधी जो उस समय कांग्रेस अध्यक्ष थे कि मेहनत ने उन्हें जिताया था। और उसी राहुल गांधी को कांग्रेसियों ने क्या रिटर्न गिफ्ट दिया? २०१९ में उन्हें इस्तीफा देने पर मजबूर कर दिया। बहरहाल वह अलग विषय है। और कांग्रेसी जिस पर बात करना बिल्कुल पसंद नहीं करते हैं। वे तो राहुल का सिर्फ उपयोग करते हैं। और नुकसान हो जाने हार पर बड़ी आसानी से उन पर दोष मढ़ देते हैं। लेकिन इन्डिया के नेता ऐसा नहीं समझते। वे राहुल को असेट (वरदान) मानते हैं। अभी तक इन्डिया की तीन मीटिंगें हुईं। पटना, बेगलुरू और मुबंई। तीनों में हीरो राहुल ही रहे। विपक्ष का हर नेता उनसे बात करना चाहता था। और समझ रहा था कि लोकसभा चुनाव में अगर बाजी पलटने की ताकत किसी में है तो वह हमारे साथ मिलकर राहुल गांधी में है।

अगले लोकसभा चुनाव पर समझने से पहले २०१४ और २०१९ के नतीजे हमेशा याद कर लेना चाहिए। कांग्रेस बहुत बुरी तरह हारी है। तो अब अगर उम्मीद है तो इसलिए कि विपक्ष एक है। और वह राहुल पर पूरी तरह भरोसा कर रहा है। मोदी जी आज जिस तरह भाजपा से भी बड़ी ताकत बन गए हैं और पार्टी से बाहर जाकर भी उन्होंने अपने भक्तों का एक बड़ा समूह तैयार कर लिया है उससे अगर कोई मुकाबला कर सकता है तो वह राहुल की हिम्मत ही है। मगर राहुल को उसके लिए एकजुट विपक्ष चाहिए। जो आज बन गया है। इसलिए २०२४ की लड़ाई तो मजेदार होगी। बस देखना यह है कि उसमें कांग्रेस आज की तारीख से ज्यादा मजबूत होकर खड़ी होगी या कमजोर होकर।

विधासनसभा चुनावों के ओपिनियन पोल आने लगे हैं। देशबन्धु के सहयोगी चौनल डीबी लाइव ने तीनों राज्यों छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्य प्रदेश के बहुत हकीकत के करीब के संभावित नतीजे बताए हैं। तीनों जगह कड़ा मुकाबला है। अब तक कांग्रेस यह समझ रही थी कि तीनों राज्यों में वह आसानी से सरकार बना लेगी। मगर डीबी लाइव का ओपीनियन पोल कांग्रेस के लिए एक बड़ा अलार्म है। जाग जाने के लिए। तीनों राज्यों के नेता अपने अपने राज्यों में बीजेपी की हालत खराब समझ रहे थे। मगर ओपिनियन पोल ने बताया कि हर जगह वह कड़े मुकाबले में है। और खरगोश की तरह जीत के विश्वास में कांग्रेस सो रही है। और कछुआ लगातार अपनी चाल से चला जा रहा है।

कांग्रेस के नेता किस तरह खुद को सर्वेसर्वा मान रहे हैं इसका एक उदाहरण। इन्डिया गठबंधन ने अपनी पहली कोआर्डिनेशन मीटिंग में एक बड़ा फैसला किया। पहली जनसभा का स्थान तय कर लिया गया। मुंबई की तीसरी बैठक में जो बड़े फैसले हुए थे उनमें था देश भर में चार- पांच जगह इन्डिया की बड़ी जनसभाएं करना। पहली जनसभा भोपाल को मिली। यह बड़ी बात थी। शिवराज सिंह चौहान हिल गए थे। मगर खुद कमलनाथ ने ही वह सभा रद्द कर दी। मुख्यमंत्री शिवराज अचानक हमलावर हो गए। कहने लगे कि हमसे डर कर मीटिंग कैंसिल की है। मीटिंग का फैसला इन्डिया की मीटिंग में हुआ था। रद्द करने का भी उसी को बताना चाहिए था। कारण सहित।

अब अगर मध्य प्रदेश कांग्रेस ने मना कर दिया तो क्या राजस्थान और छत्तीसगढ़ कांग्रेस करवाएंगी। अगर करवाती हैं तो यह मध्य प्रदेश कांग्रेस के लिए बड़ा गलत संदेश जाएगा। और अगर यह दोनों भी नहीं करवाती हैं तो देश भर में गलत संदेश जाएगा कि विपक्षी दलों के गठबंधन इन्डिया की कोई पूछ ही नहीं है। क्या जब भोपाल का नाम तय किया था तो वहां मध्य प्रदेश कांग्रेस से नहीं पूछा था? और क्या जब कमलनाथ ने कैंसिल करने का अचानक ऐलान किया तो उससे पहले इन्डिया के दलों को विश्वास में लिया गया था? अभी नीतीश कुमार जिनके ही प्रयासों से यह विपक्षी एकता हुई है कह रहे हैं कि १४ एंकरों के बायकाट का उन्हें पता ही नहीं! ऐसा क्यों? बड़े फैसलों से पहले सबको विश्वास में लेना चाहिए। यह विपक्षी एकता बड़ी मुश्किल से बनी है। और यही एक मात्र चीज है जो मोदी जी को ठीक से चौलेंज कर सकती है। इसे अतिरिक्त मेहनत करके बचाना पड़ेगा। मोदी सरकार और मीडिया पूरी ताकत लगाए हुए हैं इसे तोड़ने को। तमाम अफवाहें रोज फैलाई जा रही हैं। मगर अभी सब एक हैं तो केवल इस आधार पर कि अगर मोदी तीसरी बार भी आ गए तो फिर कोई नहीं बचेगा। न विपक्षी दल न लोकतंत्र। तो जब तक यह डर है विपक्ष एक रहेगा।

मगर याद रखना चाहिए कि मोदी जी आखिरी-आखिरी तक विपक्ष को तोड़ने की कोशिश जारी रखेंगे। जब ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट, जेल से काम नहीं चलेगा तो फिर लालच और सुरक्षा की गारंटी भी दी जाएगी। कोई हरबा छोड़ा नहीं जाएगा। विपक्ष की सावधानी में ही उसकी सुरक्षा है। कोई भी नेता खुद को विपक्षी एकता से बड़ा समझने की कोशिश नहीं करे। यह क्षत्रपों की लड़ाई नहीं है। विकट योद्धाओं की है। करो या मरो वाली। भाजपा के सारे नेता मोदी जी के पीछे लामबंद हो गए हैं। ऐसे ही विपक्षी नेताओं को अपने इन्डिया गठबंधन के साथ तनकर खड़े हो जाना चाहिए।

क्या है इंडिया गठबंधन साझेदारों के बीच सीट बंटवारे का सबसे अच्छा तरीका ?

28 विपक्षी दलों के इंडिया ब्लाक की पहली समन्वय समिति ने आखिरकार साल के अंत में होने वाले दोनों राज्यों के विधानसभा चुनावों और 2024 की शुरुआत में होने वाले लोकसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे की प्रक्रिया शुरू करने का फैसला किया है

कुल मिलाकर, लगभग १४० से १५० सीटों पर सीट बंटवारे की प्रक्रिया काफी समय लेने वाली होगी, लेकिन धैर्य और ढ़ संकल्प से एक साथ लड़ने के लिए, इसे सफलता पूर्वक सम्पन्न करना होगा। केंद्रीय नेताओं को मुख्यालय में एक तंत्र बनाना होगा। यदि राज्य स्तर पर बातचीत रुक जाती है, तो केंद्र के पास इस मुद्दे को सुलझाने में मदद करने की शक्तियां होंगी। सीट बंटवारे की प्रक्रिया में यह एक बड़ा सूत्रधार होगा। २८ विपक्षी दलों के इंडिया ब्ल क की पहली समन्वय समिति ने आखिरकार साल के अंत में होने वाले दोनों राज्यों के विधानसभा चुनावों और २०२४ की शुरुआत में होने वाले लोकसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे की प्रक्रिया शुरू करने का फैसला किया है। प्रवक्ता केसी वेणुगोपाल ने बाद में यह स्पष्ट किया १३ सितंबर को समन्वय समिति की बैठक में कहा गया कि राज्य स्तरीय चर्चा को ३०अक्टूबर तक पूरा करने का भरसक प्रयास किया जायेगा। प्रक्रिया इतनी जटिल है कि अगर ३०अक्टूबर तक सीट बंटवारे की बातचीत पूरी नहीं भी हो तो भी कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नाम तय करने के लिए पर्याप्त समय है। भाजपा खेमे से जुड़े कई टिप्पणीकार विपक्षी दलों की एकता और ५४३ लोकसभा सीटों में से प्रत्येक पर भाजपा और उसके सहयोगियों के खिलाफ गठबंधन से संयुक्त उम्मीदवार खड़ा करने के उनके ढ़ संकल्प की सफलता पर संदेह करते हैं। उनका तर्क है कि ये अलग-अलग दल अपने परस्पर विरोधी राजनीतिक हितों के कारण कभी भी सीटों के बंटवारे पर सहमत नहीं हो पायेंगे।

हां, मतभेद हैं क्योंकि राजनीतिक दलों के अलग-अलग ष्टिकोण हैं, लेकिन वे एकजुट हैं तथा भाजपा के खिलाफ वन अ न वन सीट शेयरिंग फ मूले पर राजी हैं। एक बार जब यह भावना आ गई, तो सीट बंटवारे पर बातचीत निश्चित रूप से आसान हो जायेगी। ५४३ लोकसभा सीटों पर गौर करने पर पता चलता है कि लगभग ४०० लोकसभा सीटों पर, भारत के साझेदार पहले से ही एक ब्ल क के रूप में काम कर रहे हैं और केवल अन्य १४३सीटों पर दावों पर मतभेदों को कम करने के लिए व्यापक बातचीत की आवश्यकता होगी।

गठबंधन की बातचीत की बड़ी समस्या गुजरात, पंजाब, दिल्ली, असम और देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश को लेकर होगी। इन सभी राज्यों में कुल मिलाकर १४० सीटें हैं। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर में ६ सीटें हैं जिन पर भारत के तीन शक्तिशाली सहयोगियों कांग्रेस, नेशनल क न्फ्रेंस और पीडीपी के बीच बातचीत होनी है। दिल्ली और पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी और कांग्रेस मिलकर ज्यादातर सीटों पर भाजपा को हराने की क्षमता रखती हैं। आप भले ही इन दोनों राज्यों में खुद को कांग्रेस के मुकाबले बड़ी राजनीतिक पार्टी समझ रही हो, लेकिन लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को फायदा मिलेगा और आप को इस बारे में सोचना होगा।

गुजरात में कांग्रेस के पास शून्य और भाजपा के पास सभी २६ सीटें हैं। इस बात के कोई संकेत नहीं हैं कि २०१९ के लोकसभा चुनावों के बाद सत्तारूढ़ भाजपा के मुकाबले कांग्रेस अपने समर्थन आधार में उल्लेखनीय सुधार कर पाई है, जबकि आपने गुजरात के कई शहरों में अपना आधार बढ़ाया है। भाजपा के खिलाफ कांग्रेस और आप का गठबंधन भाजपा की झोली में सीटों की कमी सुनिश्चित कर सकता है।

८०सीटों वाला उत्तर प्रदेश भारत के लिए असली समस्या है। समाजवादी पार्टी और आरएलडी दोनों इंडिया गठबंधन के सक्रिय सदस्य हैं और लोकसभा चुनाव में भाजपा से लड़ने के लिए कांग्रेस के साथ पूर्ण गठबंधन करना अच्छी राजनीतिक समझ है। इस महीने की शुरुआत में घोसी उपचुनाव में समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार की जीत इस बात की पुष्टि है कि अगर इंडिया गठबंधन के सहयोगी एकजुट हो जायें तो वे उत्तर प्रदेश में भी बड़ी संख्या में सीटों पर भाजपा को हरा सकते हैं। चार राज्य हैं, तमिलनाडु, बिहार, झारखंड और महाराष्ट्र जहां पहले से ही गठबंधन की पार्टियां मिलकर काम कर रही हैं। पहले तीन सत्तारूढ़ गठबंधन हैं। इन चारों राज्यों में १४१ सीटें हैं। मानदंड तय है और इसे केवल बेहतर करने की आवश्यकता होगी।

त्रिपुरा को छोड़कर मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, हिमाचल, हरियाणा, उत्तराखंड और उत्तर पूर्वी राज्यों में सीट बंटवारे के संबंध में कांग्रेस निर्णायक पार्टी होगी। कुछ राज्यों में जहां कांग्रेस निर्णायक है, वहां सपा, सीपीआई और सीपीआई (एम) हैं जिनके पास कुछ समर्थन आधार है। कांग्रेस को इस बात पर विचार करना होगा कि २०२४ के लोकसभा चुनावों में और यदि संभव हो तो विधानसभा चुनावों में भी भाजपा के खिलाफ विपक्ष की कुल लामबंदी सुनिश्चित करने के लिए इन इंडिया साझेदारों के समर्थन का उपयोग कैसे करे।

आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और ओडिशा में भी कांग्रेस अपने दम पर भाजपा और क्षेत्रीय पार्टियों से मुकाबला करेगी। इन तीन राज्यों में सीपीआई और सीपीआई (एम) दोनों का प्रभाव है। आंध्र प्रदेश में वाईएसआरसीपी और ओडिशा में बीजेडीएनडीए या भारत के किसी भी मोर्चे से जुड़े नहीं हैं, लेकिन बीआरएस के नेतृत्व वाला तेलंगाना एक अलग श्रेणी का है। पश्चिम बंगाल और केरल एक अलग श्रेणी के हैं। केरल में, कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ बनाम सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले एलडीएफ का वर्तमान पैटर्न जारी रहेगा क्योंकि केरल की २० लोकसभा सीटों में से भाजपा के पास कोई सीट नहीं है। जो भी यूडीएफ या एलडीएफ से जीतता है वह इंडिया गठबंधन का है।

बंगाल में, सीपीआई (एम) के पास राज्य से कोई लोकसभा सीट नहीं है, जबकि कांग्रेस के पास दो सीटें हैं। इस बात की पूरी संभावना है कि ममता बनर्जी कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे पर राष्ट्रीय समझौते पर बातचीत करेंगी। इसके तहत, तृणमूल कांग्रेस को कुल ४२सीटों में से चार या पांच सीटों की पेशकश करेगी, जबकि केंद्रीय स्तर पर कांग्रेस को असम में टीएमसी को एक सीट, मेघालय में एक सीट और मणिपुर में एक सीट पर सहमत होना होगा।

त्रिपुरा में, लोकसभा चुनाव में सीपीआई (एम) के पास अभी भी कुछ संभावनाएं हैं और कांग्रेस और टिपरामोथा के साथ स्थिर मोर्चा बन सकता है। हाल के विधानसभा उपचुनाव में, सीपीआई (एम) दोनों सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों से हार गई। राज्य पार्टी ने भाजपा द्वारा बड़े पैमाने पर धांधली की शिकायत की और मतगणना का बहिष्कार किया। पार्टी के पास सुनहरा मौका था क्योंकि आदिवासियों की पार्टी टिपरामोथा ने सीपीआई (एम) उम्मीदवारों का समर्थन किया था। प्रचार के आखिरी दिनों में कांग्रेस और टीएम के साथ सीपीआई (एम) के बीच बहुत कम समन्वय था। कांग्रेस और टीएम दोनों के नेता राज्य सीपीआई (एम) की संगठनात्मक विफलता से चिंतित हैं। इसे ठीक करना होगा। त्रिपुरा में लोकसभा की दो सीटें हैं। यदि कांग्रेस और टीएम के साथ सीपीआई(एम) के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे का मजबूत गठबंधन होता है, तो भारत की लोकसभा सीटें जीतने की संभावना उज्ज्वल है।

पूर्वोत्तर भारत में असम की १४सीटों सहित २५ सीटें हैं। असम सहित पूर्वोत्तर राज्यों में कांग्रेस निर्णायक पार्टी होगी। कांग्रेस को भाजपा विरोधी क्षेत्रीय दलों, एआईडीयूएफ, तृणमूल कांग्रेस के साथ-साथ सीपीआई और सीपीआई (एम) के साथ मिलकर एक स्थिर मोर्चा बनाना होगा, जिनके कुछ प्रभाव क्षेत्र हैं। इसी तरह कांग्रेस को उन गैर-एनडीए दलों से भी संवाद करना होगा जो राज्यों में सक्रिय हैं। मणिपुर घटनाक्रम के बाद पूर्वोत्तर राज्यों में भाजपा विरोधी भावना है। कुल मिलाकर, लगभग १४० से १५० सीटों पर सीट बंटवारे की प्रक्रिया काफी समय लेने वाली होगी, लेकिन धैर्य और ढ़ संकल्प से एक साथ लड़ने के लिए, इसे सफलता पूर्वक सम्पन्न करना होगा। केंद्रीय नेताओं को मुख्यालय में एक तंत्र बनाना होगा। यदि राज्य स्तर पर बातचीत रुक जाती है, तो केंद्र के पास इस मुद्दे को सुलझाने में मदद करने की शक्तियां होंगी। सीट बंटवारे की प्रक्रिया में यह एक बड़ा सूत्रधार होगा। समय बीत रहा है। लोकसभा चुनाव समय से पहले हो सकते हैं। इंडिया गठबंधन के साझेदारों को भाजपा और उसके सहयोगियों से लड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए।

तीखी धूप और उमस भरी गर्मी ने दिलाई जुलाई की याद पसीने से तर-बतर हुए लोग

गोरखपुर। मौसम विभाग के अनुसार १७ सितंबर तक ऐसे ही गर्मी और तपिश झेलनी होगी। इसके बाद १८ सितंबर को बारिश और १९ व २० सितंबर को बूंदाबांदी के आसार हैं। चिपचिपाती गर्मी और तीखी धूप ने जुलाई की याद दिला दी। मानसून के ट्रैक से उतरने के बाद सूरज की तपन बढ़ती जा रही है। बुधवार को कई बार सूरज और बादलों के बीच आंख-मिचौली का खेल चलता रहा, लेकिन बारिश तो क्या बूंद भी नहीं गिरी। तेज धूप और उमस भरी गर्मी से लोग बेहाल रहे। शुक्रवार को दिन में अधिकतम तापमान ३५.३ और न्यूनतम तापमान २८.२ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तीन दिन और मौसम का मिजाज ऐसे ही रहेगा।

दो दिन से तीखी धूप के चलते लोग गर्मी से परेशान हैं। शुक्रवार की सुबह से ही तीखी धूप निकली। दोपहर में बादल छाए रहने से कुछ देर तपन से राहत मिली, लेकिन उमस भरी गर्मी ने बेहाल कर दिया। बादल छंटते ही फिर तेज धूप ने लोगों को बेचैन कर दिया। चिपचिपाती गर्मी और तीखी धूप ने जुलाई की याद दिला दी। मौसम विभाग के अनुसार १७ सितंबर तक ऐसे ही गर्मी और तपिश झेलनी होगी। इसके बाद १८ सितंबर को बारिश और १९ व २० सितंबर को बूंदाबांदी के आसार हैं।

बदल रहा है गोरखपुर- मार्निंग-नेचर वाक के लिए जल्द ही एक और पार्क

विकसित हो रहा सिटी फारेस्ट

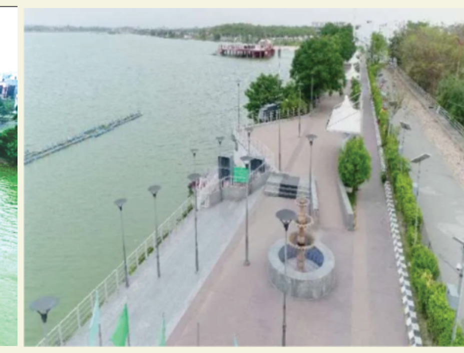

गोरखपुर। डीएफओ विकास यादव ने बताया कि दो करोड़ रुपये इस मद में स्वीकृत होने हैं। इसमें १.४० करोड़ रुपये जारी हो गए हैं। इससे सिटी फारेस्ट में दो किलोमीटर पाथ वे, दो सोवर वाटर पंप लगाए गए हैं। इससे सिंचाई का काम किया जाना है। इसके अलावा ४० हजार विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं।

गोरखपुर शहर में सैरसपाटे के लिए जल्द ही एक और जगह शहरवासियों को मिल जाएगी। शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान (चिड़ियाघर) के पास जीडीए से मिली १५० एकड़ भूमि को वन विभाग हरे-भरे प्रोतिक पार्क के रूप में विकसित कर रहा है। वन विभाग की तरफ से करीब ४० हजार पौधे लगाए गए हैं। इन पेड़-पौधों का संरक्षण करने के साथ ही वन विभाग इसे मॉर्निंग वाक और नेचर वॉक पार्क के तौर पर तैयार कर रहा है। साथ ही पीपल, पाकड़, नीम जैसे औषधीय पौधों का रोपण कर इसे और हरा-भरा बनाया जाएगा।

डीएफओ विकास यादव ने बताया कि दो करोड़ रुपये इस मद में स्वीकृत होने हैं। इसमें १.४० करोड़ रुपये जारी हो गए हैं। इससे सिटी फ रेस्ट में दो किलोमीटर पाथ वे, दो सोवर वाटर पंप लगाए गए हैं। इससे सिंचाई का काम किया जाना है। इसके अलावा ४० हजार विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए हैं।

बताया कि जीडीए से मिली भूमि चिड़ियाघर के साथ ही रामगढ़ ताल से सटी हुई है। रामगढ़ ताल और चिड़ियाघर के ३४ एकड़ क्षेत्र में फैले वेटलैंड में पहले से ही बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी आते रहते हैं। वन विभाग इस भूमि के वेटलैंड में कृत्रिम पहाड़ बनाकर और विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कर प्रवासी पक्षियों के ठहराव के लिए उपयुक्त माहौल तैयार करेगा। ताकि, ऊंचाई पर रिहाइश बनाने वाले पक्षियों को यहां अनुकूल माहौल मिल सके।

चारों तरफ हो गई है बाड़बंदी

प्रभागीय वनाधिकारी विकास यादव ने बताया कि पक्षियों के लिए उपयुक्त माहौल बनाने के साथ ही भूमि के चारों तरफ बाड़बंदी कर प्रेतिप्रेमियों के लिए नेचर वाक की सुविधा भी विकसित की गई है। उन्होंने बताया कि जीडीए ने यह भूमि वन विभाग को संरक्षण और अनुरक्षण के लिए हस्तांतरित की है। उम्मीद है कि विकसित किया जाने वाला पार्क अगले साल तक अपने स्वरूप में आ जाएगा।

लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू

यूपी के 15 जिलों के क्ड के साथ चुनाव पर चर्चा करेगी निर्वाचन आयोग की टीम

2024 निर्वाचन आयोग की टीम द्वारा आयोजित बैठक में गोरखपुर बस्ती देवीपाटन मंडल के सभी और अयोध्या मंडल के चार जिलों के डीएम शामिल होंगे। बैठक गोरखपुर जिले के जीडीए के सभागार में होगी। इस दौरान भारत निर्वाचन आयोग की टीम जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा करेगी। पांच जिलों में होने वाली बैठक में 15-15 डीएम भाग लेंगे।

गोरखपुर। लोकसभा चुनाव की तैयारी शुरू हो चुकी है। इसी क्रम में १५ जिलों के जिलाधिकारियों की बैठक गोरखपुर में होने जा रही है। २० सितंबर को गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) के सभागार में होने वाली बैठक में भारत निर्वाचन आयोग की टीम भी उपस्थित रहेगी और जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चर्चा करेगी।

वोटर लिस्ट के पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाने पर होगी चर्चा

बैठक में १७ अक्टूबर से शुरू होने वाले मतदाता सूची के पुनरीक्षण अभियान को सफल बनाने पर बात की जाएगी। लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत विभिन्न जिलों के अधिकारियों की बैठक पहले ही संपन्न हो चुकी है। अब प्रदेश के सभी जिलों के जिलाधिकारियों के साथ निर्वाचन आयोग के अधिकारी बैठक करने जा रहे हैं। पांच जिलों में होने वाली बैठक में १५-१५ डीएम भाग लेंगे। पहली बैठक १५ सितंबर को कानपुर नगर में होगी। बेटा अपनी मां की आंखों का तारा होता है, बेटा जब अपने पिता का सहारा होता है...लेकिन जब वो हमेशा-हमेशा के लिए आंखों से ओझल हो जाता है, तो नजारा ऐसा है...एक पिता के आंसू नहीं थम रहे... एक मां का कलेजा मुंह को आ गया क्योंकि उसका लाल हमेशा के लिए चला गया...ये तस्वीरें मेजर अशीष के घर की हैं...जो जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में आतंकियों से लोहा लेते हुए बलिदान हो गए

इन जिलों में आयोजित की जाएगी बैठक

१८ सितंबर को वाराणसी में, २० को गोरखपुर में, २५ सितंबर को आगरा में बैठक आयोजित की जाएगी। अंतिम बैठक मेरठ में होने वाली है, लेकिन उसकी तिथि अभी तय नहीं हो सकी है। गोरखपुर में आयोजित होने वाली बैठक में निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ उप निर्वाचन आयुक्त भी शामिल होंगे। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व/उप जिला निर्वाचन अधिकारी विनीत कुमार सिंह ने बताया कि २० सितंबर को बैठक होगी। १५ जिलों के डीएम इसमें भाग लेंगे। गोरखपुर, बस्ती, देवीपाटन मंडलों के सभी, जबकि अयोध्या मंडल के अमेठी जिले को छोड़ चार जिलों के डीएम बैठक में भाग लेंगे।

इन जिलों के डीएम लेंगे भाग

गोरखपुर मंडल के गोरखपुर, देवरिया, महराजगंज, कुशीनगर, बस्ती मंडल के बस्ती, संत कबीरनगर, सिद्धार्थनगर, देवीपाटन मंडल के गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच एवं अयोध्या मंडल के अयोध्या, बाराबंकी, अंबेडकरनगर व सुल्तानपुर जिलों के जिलाधिकारी चुनाव से संबंधित इस बैठक में शामिल होंगे। ईवीएम की हो रही एफएलसी चुनाव के दृष्टिगत इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को तैयार करने का काम शुरू हो गया है। विभिन्न स्थानों से ईवीएम मंगाई जा चुकी है और अब इसके प्रथम स्तर की जांच (फर्स्ट लेवल चेकिंग) शुरू हो गई है। सहायक निर्वाचन अधिकारी जेएन मौर्य ने बताया कि यह काम १६ सितंबर तक पूरा कर लिया जाएगा।

भाजपा ने गोरखपुर क्षेत्र के 12 जिलों में से बदले 9 जिलाध्यक्ष

भारतीय जनता पार्टी ने लोक सभा चुनाव में यूपी के 80 सीटों पर जीत का लक्ष्य निर्धारित किया है। चुनाव से ठीक पहले पार्टी ने सभी जिलों के जिलाध्यक्षों की सूची जारी की है। गोरखपुर क्षेत्र के कई जिलों के जिला अध्यक्ष बदल दिए गए हैं। संतकबीर नगर गोरखपुर जिला और गोरखपुर महानगर तीन संगठनात्मक जिलों के जिलाध्यक्ष पुराने ही हैं।

गोरखपुर। लोकसभा चुनाव २०२४ के ठीक पहले भाजपा ने जिलाध्यक्षों की सूची जारी कर दी है। भाजपा प्रदेश नेतृत्व ने गोरखपुर क्षेत्र के १२ संगठनात्मक जिलों में से नौ जिलों के जिलाध्यक्ष बदल दिए हैं। केवल सन्तकबीर नगर, गोरखपुर जिला और गोरखपुर महानगर के जिलाध्यक्षों को दोबारा मौका दिया है।

इन जिलों के बदले गए हैं जिलाध्यक्ष

जिन जिलों के जिलाध्यक्ष बदले गए हैं, उनमें देवरिया, कुशीनगर, महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बस्ती, आजमगढ़, लालगंज, मऊ और बलिया शामिल हैं।

पार्टी ने इन पर जताया दोबारा भरोसा

गोरखपुर महानगर से राजेश गुप्ता तो गोरखपुर जिले से युधिष्ठिर सिंह और संतकबीर नगर से जगदंबा लाल श्रीवास्तव पर भारतीय जनता पार्टी ने दोबारा दांव आजमाया है।

क्षेत्रीय अध्यक्ष बोले

क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय के मुताबिक भारतीय जनता पार्टी ने जिलाध्यक्ष के चयन में सामाजिक समीकरण, निष्ठा और सामाजिक समीकरण का ध्यान रखा है।

भाजपा की सूची जारी–वेस्ट यूपी के जिलाध्यक्षों की पूरी लिस्ट, मेरठ में शिवकुमार को मिली की ये जिम्मेदारी

मेरठ। भाजपा ने जिलाध्यक्षों की सूची जारी कर दी है। भाजपा ने मेरठ में शिव कुमार राणा को जिलाध्यक्ष बनाया है। यहां वेस्ट यूपी के जिलाध्यक्षों की पूरी लिस्ट देखिए। भाजपा के जिलाध्यक्षों की शुक्रवार को सूची जारी कर दी गई है। मेरठ में भाजपा ने पूर्व में जिलाध्यक्ष रहे शिवकुमार राणा को दोबारा से जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है। वहीं, महानगर में पूर्व अध्यक्ष रहे सुरेश जैन ऋतुराज को महानगर अध्यक्ष बनाया गया है।

जातीय समीकरणों को साधते हुए भाजपा ने जहां जिलाध्यक्ष पद पर ठाकुर समाज को प्रतिनिधित्व दिया है वहीं, महानगर में जैन समाज को साधने का काम किया गया है। पश्चिमी यूपी के १६ जिलों में भाजपा ने जातीय समीकरणों का ध्यान रखा है। गुर्जर, जाट, त्यागी, ब्राह्मण, वैश्य समाज और अति पिछड़ा समाज के लोगों को दायित्व दिए गए हैं। कई जगह पूर्व में अध्यक्ष रहे नेताओं को ही फिर से जिम्मेदारी दी गई है।

पश्चिम के 19 जिलों के अध्यक्ष की भाजपा ने जारी की सूची

भाजपा ने पश्चिम के १६ जिलाध्यक्ष-महानगर अध्यक्ष की घोषणा कर दी है। इनमें रामपुर में हंसराज पप्पू,

मुरादाबाद महानगर में संजय शर्मा, मुरादाबाद जनपद में आकाश पाल, अमरोहा में उदय गिरी गोस्वामी, बिजनौर में भूपेंद्र चौहान, सहारानपुर महानगर में पुनीत त्यागी, सहारनपुर जनपद में महेंद्र सैनी, मुजफ्फरनगर में सुधीर सैनी, बागपत में वेदपाल उपाध्याय, शामली में तेजेंद्र निर्वाल, गाजियाबाद महानगर में संजीव शर्मा, गाजियाबाद जनपद में सतपाल प्रधान, नोएडा महानगर में मनोज गुप्ता, गौतमबुधनगर जनपद में गजेंद्र मावी, बुलंदशहर में विकास चौहान, संभल में हरेंद्र सिंह और हापुड़ जनपद में नरेश तोमर को अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है।

डाक्ष. महेंद्र सैनी दूसरी बार बने जिलाध्यक्ष, पुनीत त्यागी महानगर अध्यक्ष

कई दिनों से चल रही चर्चाओं के बाद भाजपा की तरफ से जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष की सूची जारी कर दी गई है। पार्टी ने सहारनपुर में दूसरी बार ड . महेंद्र सैनी को जिलाध्यक्ष बनाया है, जबकि महानगर उपाध्यक्ष रहे पुनीत त्यागी को महानगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष के लिए नौ दावेदार थे, लेकिन शुरुआत से ही कयास लगाए जा रहे थे कि पार्टी मौजूदा जिलाध्यक्ष डा . महेंद्र सैनी पर दोबारा दांव खेल सकती है। इसकी वजह यह है कि डा . महेंद्र सैनी पार्टी में कई पदों पर रहे हैं और संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ उनका काफी जुड़ाव है। तत्कालीन महानगर अध्यक्ष राकेश जैन के दो कार्यालय पूरे हो चुके थे। ऐसे में उनका हटना तय था, क्योंकि संगठन के नियमानुसार लगातार तीसरा कार्यकाल नहीं हो सकता है। उनके स्थान पर पुनीत त्यागी को महानगर अध्यक्ष बनाया गया है। इससे पहले पुनीत त्यागी महानगर उपाध्यक्ष के पद पर जिम्मेदारी निभा रहे थे।

शामली में पूर्व विधायक तेजेंद्र निर्वाल भाजपा के जिलाध्यक्ष बने। तेजेंद्र २०१७ से लेकर २०२२ तक शामली से विधायक रहे। बताया गया कि तेजेंद्र निर्वाल प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह के नजदीकी हैं। अध्यक्ष को लेकर कई जनप्रतिनिधियों में खींचतान चल रही थी। बागपत में एक बार फिर वेदपाल उपाध्याय भाजपा के जिला अध्यक्ष बने। पहले भी जिलाध्यक्ष रह चुके हैं। अध्यक्ष को लेकर बागपत में कई जनप्रतिनिधियों में खींचतान चल रही थी। भाजपा ने बिजनौर में भूपेंद्र चौहान बाबी को जिलाध्यक्ष बनाया है।

भूपेंद्र को जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं में खुशी

भाजपा हाईकमान द्वारा धामपुर न्यू सिटी निवासी निवर्तमान जिला महामंत्री भूपेंद्र बाबी को जनपद बिजनौर का पार्टी जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं में अपार प्रसन्नता है। भूपेंद्र कुमार ब बी का राजनीतिक सफर विद्यार्थी परिषद से शुरू हुआ। वह विद्यार्थी परिषद के जिला प्रमुख रहे। साल २००२-०३ में आरएसएम डिग्री क लेज के छात्र संगठन में अध्यक्ष बने। भारतीय जनता युवा मोर्चा के एक बार जिला अध्यक्ष रहे। वह दो बार भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री के पद पर आसीन रहे। निवर्तमान जिला अध्यक्ष सुभाष वाल्मीकि की कैबिनेट में वह जिला महामंत्री के पद पर थे। अब भूपेंद्र बोबी को जिला अध्यक्ष बनाया गया है। कार्यकर्ताओं में बहुत खुशी है।

मुजफ्फरनगर में सुधीर सैनी को बनाया जिलाध्यक्ष

भाजपा ने मुजफ्फरनगर में जिला अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सुधीर सैनी को दी है। सैनी इससे पहले भी भाजपा के जिला अध्यक्ष रह चुके हैं। सुधीर सैनी केंद्रीय राज्य मंत्री डा . संजीव बालियान के नजदीकी है। वह मूलरूप से रतनपुरी क्षेत्र के बड़सू गांव के रहने वाले हैं।

बदायूं में किशोरी से दुष्कम

युवक ने काल कर सामुदायिक केंद्र में बुलाया रातभर लूटी आबरू, आरोपी गिरफ्तार

बदायूं। बदायूं के अलापुर थाना क्षेत्र में एक युवक ने नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने उसे सामुदायिक केंद्र में बुलाया, वहीं उसके साथ वारदात की। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बदायूं के अलापुर थाना क्षेत्र के एक गांव स्थित सामुदायिक केंद्र में नाबालिग लड़की से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

एक गांव निवासी व्यक्ति के मुताबिक १२ सितंबर की रात करीब दस बजे उसकी १६ वर्षीय बेटी अचानक घर से कहीं चली गई। कुछ देर बाद उन्होंने बेटी को घर में नहीं देखा तो उसकी तलाश शुरू कर दी। वह रात भर किशोरी को तलाश करते रहे लेकिन १३ सितंबर की रात तक उसका पता नहीं चला।

बृहस्पतिवार सुबह किशोरी बदहवास हालत में घर लौटी तो उन्होंने उसके लापता होने का कारण पता किया। इस पर किशोरी ने बताया कि चंदन पुत्र नन्हे ने उसे क ल करके सामुदायिक केंद्र में बुलाया। वहीं उसके साथ दुष्कर्म किया। फिर अगले दिन तड़के नजदीक के एक ट्यूबवेल पर ले गया। उसे दिन भर और बुधवार को रात को ट्यूबवेल पर रखा।

जान से मारने की धमकी दी

बृहस्पतिवार सुबह उसे ट्यूबवेल से भगा दिया। उसे जान से मारने की धमकी दी। उससे कहा कि अगर किसी को बताया तो वह जान से मार देगा। थाना पुलिस ने तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। शाम के समय आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया गया। इधर, आरोपी के परिवार वालों का कहना है कि दोनों का प्रेम प्रसंग चल रहा था। किशोरी स्वयं युवक के पास पहुंची थी और उसपर कहीं बाहर ले जाने का दबाव बना रही थी। इंस्पेक्टर हरपाल सिंह बालियान ने बताया कि तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। विवेचना के तहत कार्रवाई होगी।

लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने बैठाया ऐसा गणित

टेंशन में न आ जाए इंडिया

लखनऊ। २०२४ के लोकसभा चुनाव को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम में सारे जातीय समीकरणों को साधा है। भाजपा ने जिन जिलों में जिला अध्यक्षों की सूची जारी की है, उसमें दलित, पिछड़ा, अति पिछड़ा, ठाकुर, ब्राह्मण, जाट, त्यागी, गुर्जर, वैश्य अल्पसंख्यक समाज समेत सभी को साधा गया है। १६ लोगों की सूची में एक दलित, एक अति पिछड़ा, दो ब्राह्मण, दो पिछड़ा, चार ठाकुर, एक त्यागी, दो सैनी, दो जाट, एक जैन, एक वैश्य और दो गुर्जर शामिल हैं।

इनमें रामपुर में दलित समाज से हंसराज पप्पू को जिम्मेदारी दी गई है।

मुरादाबाद महानगर में संजय शर्मा ब्राह्मण, मुरादाबाद जनपद में आकाश पाल अति पिछड़ा समाज से हैं। अमरोहा में उदय गिरी गोस्वामी पिछड़ा, बिजनौर में भूपेंद्र चौहान ठाकुर समाज से हैं। त्यागी समाज को साधने के लिए सहारनपुर महानगर में पुनीत त्यागी को अध्यक्ष बनाया गया हैं। सहारनपुर जनपद में महेंद्र सैनी और मुजफ्फरनगर में सुधीर सैनी को जिम्मेदारी दी गई हैं। बागपत में वेदपाल उपाध्याय पिछड़ा समाज से हैं। शामली में तेजेंद्र निर्वाल जाट समाज से हैं। गाजियाबाद महानगर में संजीव शर्मा ब्राह्मण, गाजियाबाद जनपद में सतपाल प्रधान गुर्जर समाज से हैं। नोएडा महानगर में मनोज गुप्ता वैश्य, गौतमबुधनगर जनपद में गजेंद्र मावी गुर्जर, बुलंदशहर में विकास चौहान ठाकुर समाज से हैं।

वहीं, संभल में हरेंद्र सिंह जाट और हापुड़ जनपद में नरेश तोमर ठाकुर समाज से हैं। मेरठ जनपद में शिवकुमार राणा ठाकुर और महानगर अध्यक्ष सुरेश जैन ऋतुराज जैन अल्पसंख्यक समाज से हैं। इस तरह भाजपा ने पश्चिम में सभी जातिगत समीकरणों का ध्यान रखा है।

तीन को छोड़कर 16 जनपद के बदले अध्यक्ष

नोएडा महानगर, गाजियाबाद महानगर और सहारनपुर जनपद को छोड़कर सभी १६ जिलों में नए पदाधिकारी बनाए गए हैं। वहीं, भाजपा ने लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर हर जिले में ऐसा गणित बैठाया है कि कहीं इंडिया (गठबंधन) टेंशन में न आ जाए।

अब्बास अंसारी की जमानत खारिज कराने हाईकोर्ट पहुंची सरकार

नफरती भाषण देने के मामले में मिली थी जमानत

प्रयागराज। अब्बास अंसारी मऊ सदर सीट से सुभासपा के विधायक हैं। वर्ष २०२२ के विधानसभा चुनाव के दौरान पहाड़पुर मैदान में आयोजित जनसभा में अब्बास ने विवादित बयान दिया था। धमकी भरे लहजे में कहा था कि चुनाव के बाद सभी विरोधी अधिकारियों का हिसाब किताब किया जाएगा। नफरती भाषण देने के मामले में माफिया मुख्तार अंसारी के विधायक बेटे अब्बास अंसारी को मिली जमानत रद्द कराने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। हाईकोर्ट ने विधायक अब्बास अंसारी को नोटिस जारी करते हुए मामले को ३१ अक्तूबर को सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजबीर सिंह की अदालत ने दिया है। सरकार की ओर से दाखिल याचिका में कहा गया है कि निचली अदालत ने जमानत देते वक्त उसके आपराधिक इतिहास को नजरंदाज किया है।

गौरतलब है कि अब्बास अंसारी मऊ सदर सीट से सुभासपा के विधायक हैं। वर्ष २०२२ के विधानसभा चुनाव के दौरान पहाड़पुर मैदान में आयोजित जनसभा में अब्बास ने विवादित बयान दिया था। धमकी भरे लहजे में कहा था कि चुनाव के बाद सभी विरोधी अधिकारियों का हिसाब किताब किया जाएगा।

इस मामले में विधायक अब्बास अंसारी के साथ उसके छोटे भाई उमर अंसारी और आयोजक मंसूर अहमद अंसारी व अन्य के खिलाफ मऊ जिले के थाना नगर कोतवाली में उपनिरीक्षक गंगाराम बंद ने आचार संहिता उल्लंघन के साथ ही नफरती भाषण और अधिकारियों को धमकी देने का मुकदमा दर्ज कराया था। अब्बास अंसारी को मऊ की एमपी एमएलए अदालत ने इस मामले में जमानत दे दी थी। निचली अदालत से अब्बास अंसारी को मिली जमानत रद्द करवाने के लिए राज्य सरकार की ओर से शासकीय अधिवक्ता आशुतोष कुमार ने याचिका दाखिल की है।

सीएम योगी बोले–यूपी में निवेश करें स्टील क्षेत्र के उद्यमी, प्रदेश का माहौल निवेश के लिए अनुकूल

लखनऊ। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने देश भर के स्टील उद्यमियों को यूपी में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का माहौल निवेश के लिए अनुकूल है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश भारत के ग्रोथ इंजन के रूप में पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रहा है। सही मायने में कहा जाए तो यूपी अब भारत की विकास यात्रा का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। सीएम योगी शुक्रवार को इंडियन स्टील एसोसिएशन द्वारा होटल ताज में आयोजित समिट को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में निवेश का बेहतरीन वातावरण है। सीएम योगी ने निवेशकों आश्वस्त करते हुए कहा कि आपके निवेश की सुरक्षा की गारंटी सरकार की है। इसके साथ ही उन्होंने निवेशकों को सरकार की तरफ से हर तरह का सहयोग दिए जाने की बात भी कही।

देश का सबसे बड़ा सिंगल विंडो प्लेटफार्म उत्तर प्रदेश के पास

सीएम योगी ने कहा कि विगत छह वर्षों में उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था सुदृढ़ हुई है। आज प्रदेश में पर्व और त्योहारों में कोई दंगा-फसाद नहीं होता है। वीवीआईपी की विजिट बहुत सुरक्षित और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न होती है। २०१६ के प्रयागराज कुंभ में २४ करोड़ श्रद्धालु आए थे, लेकिन कहीं कोई अराजकता नहीं फैली। उन्होंने कहा कि इज आफ डूइंग बिजनेस में उत्तर प्रदेश ने एक लंबी छलांग लगाई है। आज निवेश मित्र के रुप में देश का सबसे बड़ा सिंगल विंडो प्लेटफार्म उत्तर प्रदेश के पास है। सीएम योगी ने कहा कि २५ सेक्टर की प लिसी उत्तर प्रदेश ने जारी की है। उत्तर प्रदेश सरकार के साथ होने वाले एमओयू की म निटरिंग 'निवेश सारथी' पोर्टल के माध्यम से की जा रही है।

आज हम दिल्ली से पटना दस घंटे में पहुंच सकते हैं

सीएम योगी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में एयर कनेक्टिविटी बेहतर हो चुकी है। २०१७ के पहले प्रदेश में मात्र दो एयरपोर्ट क्रियाशील थे। आज नौ एयरपोर्ट पूरी तरह से क्रियाशील हैं, जिनमें तीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट हैं। इस वर्ष के अंत तक हम लोग १० नए एयरपोर्ट को क्रियाशील कर देंगे, जिनमें अयोध्या और जेवर दो नए इंटरनेशनल एयरपोर्ट होंगे। उन्होंने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश में काफी कार्य हुए हैं। वर्तमान में १३ एक्सप्रेस-वे संचालित और प्रस्तावित हैं।

सदी की सबसे बड़ी महामारी के दौरान हमने पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के निर्माण की कार्रवाई को आगे बढ़ाया है। इस एक्सप्रेस-वे के माध्यम से आज हम दिल्ला से पटना दस घंटे में पहुंच सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुंदेलखंड उत्तर प्रदेश का आर्थिक रूप से सबसे विपन्न क्षेत्र माना जाता था। आज यह क्षेत्र भी एक्सप्रेसवे से जुड़ चुका है। अब पांच घंटे में दिल्ली से चित्रकूट की यात्रा कर सकते हैं। गंगा एक्सप्रेस-वे का भी कार्य भी तेजी के साथ चल रहा है, जिसे हम २०२५ तक पूरा कर लेंगे। इस एक्सप्रेस-वे के बन जाने से मात्र छह घंटे में मेरठ से प्रयागराज जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप अपनी विकास यात्रा को आगे बढ़ा रहा है। वाराणसी में मल्टी म डल टर्मिनल की स्थापना की कार्रवाई भी युद्ध स्तर पर आगे बढ़ चुकी है। दोनों डेडिकेटेड फ्रेट कारिडोर के इंटर जंक्शन उत्तर प्रदेश के दादरी में ही हैं। वहां पर मल्टीम डल लाजिस्टिक हब के निर्माण की कार्यवाही और बोड़ाकी में मल्टीम डल ट्रांसपोर्ट हब की स्थापना का कार्य भी युद्ध स्तर पर आगे बढ़ चुका है।

कार्यक्रम में औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह, इंडियन स्टील एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप ओमेन, चेयरमैन स्टील अथ रिटी आफ इंडिया के अमरेंद्र प्रकाश समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

लखनऊ में बड़ा हादसा, रेलवे कालोनी में मकान ढ्हा, मलबे में दबकर पांच लोगों की दर्दनाक मौत

लखनऊ। लखनऊ में फतेह अली रेलवे क लोनी में एक मकान ढह जाने से नीचे दबकर पांच लोगों की मौत हो गई। क लोनी में करीब २०० परिवार रहते हैं। यहां के ज्यादातर मकान जर्जर हैं फिर भी रेलवे द्वारा खाली नहीं करवाए गए हैं। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल की फतेह अली रेलवे कालोनी में देर रात एक मकान की छत ढह गई, जिससे पांच लोगों की दब जाने से मौत हो गई। बारिश के बाद मकान और कमजोर हो गया था। सुबह सफाईकर्मियों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी जिसके बाद मौके पर पुलिस और एनडीआरएफ की टीम पहुंची। टीम ने मलबा हटाकर पांच लोगों को बाहर निकला और उन्हें इलाज के लिए लोकबंधु अस्पताल भेजा गया जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया और सुबह लोगों का तांता लग गया जिसे संभालने के लिए और पुलिस बुलानी पड़ी। मृतकों में सतीश चंद्र (४०), सरोजनी देवी (३५), हर्षित (१३), हर्षिता (१०) और अंश (५) शामिल हैं। डीसीपी पूर्व ह्देश कुमार ने बताया कि पुरानी रेलवे कालोनी में घर की छत ढह गई। परिवार के पांच लोगों को मलबे से निकालकर अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

200 परिवार रहते हैं कालोनी में, मकान जर्जर

उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल की फतेह अली क लोनी में करीब २०० परिवार रहते हैं। क लोनी के ज्यादातर मकान जर्जर हैं और कंडम घोषित किए जा चुके हैं। बावजूद इसके रेलवे प्रशासन ने लोगों से मकान खाली नहीं करवाए और लोग रह रहे हैं। जिसके चलते हादसा हुआ।

देखते देखते तबाह हो गया परिवार

जिस मकान की छत गिरी उस वक्त मकान में पांच लोग थे, जिनकी मौत मलबे में दबने से हुई है। सतीश चंद्र के पिता रामचंद्र पहले रेलवे में थे जिनकी मृत्यु के बाद मां का भी निधन हो गया और सतीश चंद्र को अनुकंपा पर नौकरी मिलने की उम्मीद थी। सतीश अपने परिवार के साथ यहां रहते थे जबकि सतीश के भाई अमित भी रेलवे में है।

कौशाम्बी तिहरा हत्याकांड

एक आरोपी हिरासत में लिया, पुलिस प्रशासन की भूमिका पर भी उठे सवाल

कौशांबी। पंडा चौराहे पर हुए तिहरा हत्याकांड की जांच एसपी ने अपर पुलिस अधीक्षक कौशांबी को सौंप दी है। उन्हें पूरे मामले की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही डीएम ने भी राजस्व विभाग के अधिकारियों की भूमिका की जांच के लिए एक टीम गठित की है। संदीपनघाट थाना क्षेत्र के पंडा चौराहे पर बेटी-दामाद और ससुर की गोली मारकर हत्या के मामले में पुलिस और प्रशासन की भूमिका भी संदेह के घेरे में आ गई है।

मामले की जांच के लिए पुलिस के अलावा प्रशासनिक स्तर से भी छानबीन शुरू करने के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं। मृतक की बहन ने रोते हुए पुलिस अधिकारियों को बताया कि कई बार थाने में शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

बहन ने आरोप लगाया कि उसके भाई ने भूमि पर कब्जे के खिलाफ थाने से लेकर तहसील और जिलाधिकारी कार्यालय में कई बार प्रार्थना पत्र दिया, लेकिन अधिकारियों ने सुनवाई नहीं की। अगर अधिकारियों ने मामले का निस्तारण कर दिया होता तो यह घटना नहीं होती।

परिजनों का आरोप, शिकायत के बाद भी पुलिस ने नहीं की कार्रवाई

परिजनों ने तीन लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में ले लिया है, जबकि फरार चल रहे दो लोगों की तलाश की जा रही है। पूरे गांव में पुलिस फोर्स तैनात कर दिया गया है। जिलाधिकारी ने भी जांच के लिए राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है। अधिकारी अब यह पता लगाने में जुटे हैं कि जिस जमीन को लेकर विवाद चल रहा था वह जमीन किसकी है और कौन कब्जा कर रहा था।

एडीजी बोले– पुलिस और प्रशासन की अलग–अलग टीमें कर रही हैं जांच

एडीजी प्रयागराज भानु भास्कर ने बताया कि प्रारंभिक जांच में भूमि विवाद में घटना को अंजाम दिए जाने की बात सामने आई है। मृतकों के परिजनों ने तीन आरोपियों के नाम बताए हैं। इनमें से एक को हिरासत में ले लिया गया है, दो को तलाशा जा रहा है। इस मामले में प्रशासन और पुलिस की ओर से अलग-अलग जांच के आदेश दिए गए हैं। एसपी कौशांबी की ओर से एडिशनल एसपी को इस पूरे मामले की जांच कर रिपोर्ट देने को कहा गया है। कौशाम्बी डीएम ने भी एक जांच के आदेश दिए हैं, जिसमें यह पता लगाने के लिए निर्देशित किया गया है कि सरकारी जमीन को लेकर उपजे इस विवाद का मूल कारण क्या रहा और इसमें राजस्व से जुड़े अधिकारियों की क्या भूमिका रही।

देव दीपावली 2023–दो महीने पहले ही सैलानियों में सीट बुकिंग के लिए आपाधापी, पांच लाख में बुक हुआ बजड़ा

वाराणसी। इस वर्ष २६ नवंबर को देव दीपावली है। अनुमान है कि इस बार बीते साल से अधिक पर्यटक व श्रद्धालु देवों की दीपावली देखने के लिए वाराणसी पहुंचेंगे। करीब दो महीने पहले ही ६० फीसदी बजड़ों की बुकिंग हो गई है। देव दीपावली पर देवताओं की अगवानी में सजने वाले काशी के अर्द्धचंद्राकार घाटों की अद्भुत छटा निहारने के लिए नावों और बजड़ों की बुकिंग शुरू हो गई है। २६ नवंबर को देव दीपावली है और करीब दो महीने पहले ही ६० फीसदी बजड़ों की बुकिंग हो गई है। अस्सी घाट निवासी प्रदीप का बजड़ा तो पांच लाख में बुक भी हो चुका है। अनुमान है कि इस बार बीते साल से अधिक पर्यटक व श्रद्धालु देवों की दीपावली देखने के लिए वाराणसी पहुंचेंगे। देव दीपावली की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा की अगुवाई में बैठक हुई। इस दौरान घाटों की उचित साफ-सफाई और साज-सजावट हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही भव्य आतिशबाजी, लेजर शो, दीया, तेल और बाती आदि के संबंध में टेंडर प्रक्रिया शुरू करने पर चर्चा हुई।

देव दीपावली के लिए क्रूज की बुकिंग फूल

बजड़ों और नावों के अलावा क्रूज भी सैलानियों की पसंद बने हैं। यही वजह है कि दो महीने पहले ही क्रूज की बुकिंग भी हो गई है। गंगा विलास और एमवी राजमहल के प्रबंधक राज सिंह ने बताया कि देव दीपावली के लिए क्रूज की बुकिंग फूल हो चुकी है। अक्तूबर में कोलकाता से चलकर गंगा विलास वाराणसी पहुंच जाएगा। इस बार देव दीपावली पर गंगा विलास और एमवी राजमहल वाराणसी में ही रहेगा। अलकनंदा क्रूज लाइन के प्रबंधक विकास मालवीय के मुताबिक २६ नवंबर की बुकिंग पूरी हो गई है।

पांच से छह लाख में बजड़े तो नावों की बुकिंग हजारों में

देव दीपावली को देखते हुए बजड़ों और नावों के भाव कई गुना तक बढ़ गए हैं। बजड़े की बुकिंग के लिए पांच से छह लाख रुपये तक मांगे जा रहे हैं। वहीं नावों की बुकिंग भी हजारों में हो रही है।

वाहनों की मांग पूरा करेंगे आसपास के जिले

देव दीपावली पर पर्यटकों की मांग पूरा करने के लिए आसपास के जिलों से वाहन मंगाए जाएंगे। टूरिस्ट अ परेटरों ने दो माह पहले ही आसपास के जिलों के ट्रेवल संचालकों से संपर्क कर वाराणसी के ट्रैफिक को ध्यान में रखते हुए छोटे वाहनों की मांग की है। देव दीपावली पर देसी व विदेशी सैलानी काशी के अलावा आसपास के पर्यटन स्थलों की सैर पर भी जाएंगे। वाहनों की कमी को पूरा करने के लिए बाहर से वाहनों की मांग की गई है। पर्यटकों की मांग पूरा करने से सात सौ से अधिक छोटे एसी वाहन मंगाए गए हैं।

गंगा में ट्रैफिक कंट्रोल के लिए बनेगी लेन

गंगा में सात क्रूज और बजड़ों का संचालन करने के लिए लेन भी सुरक्षित किए जाएंगे। अप और डाउन स्ट्रीम के लिए अलग-अलग लेन बनाए जाएंगे। जेटी की मदद से डिवाइडर बनाए जाएंगे। ताकि नाव, बजड़े और क्रूज एक दूसरे की लेन में न जाएं। भारतीय अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण वाराणसी इकाई के प्रभारी आरसी पांडेय के मुताबिक देव दीपावली पर बड़ी और छोटी नावों के लिए अलग-अलग लेन बनाए जाएंगे। इसमें स्थानीय जिला प्रशासन की मदद ली जाएगी।

महानगर और जिलाध्यक्ष के सहारे बीजेपी ने मथुरा में साधा जातिगत समीकरण

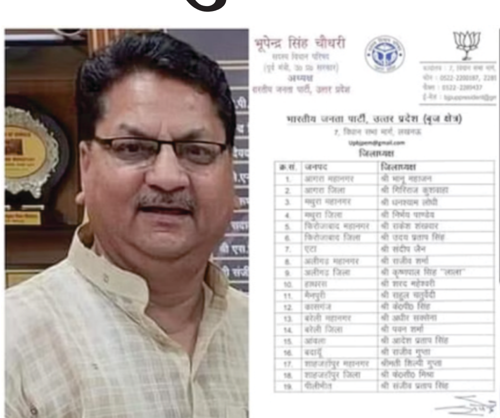

आगरा। महानगर और जिलाध्यक्ष के सहारे मथुरा में भाजपा ने जातिगत समीकरण साधा है। युवा ब्राह्मण चेहरे निर्भय पांडे को जिले की कमान दी गई है। वहीं आरएसएस के वरिष्ठ कार्यकर्ता घनश्याम लोधी को महानगर की जिम्मेदारी सौंपी है। भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को मथुरा में लंबे समय से चल रही जिला व महानगर अध्यक्ष के पद की खींचतान पर विराम लगा दिया। पार्टी ने युवा ब्राह्मण चेहरे निर्भय पांडे को जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है, वहीं पिछड़ा वर्ग से आने वाले आरएसएस के वरिष्ठ कार्यकर्ता घनश्याम लोधी को महानगर अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी है। लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए पार्टी में बेहद सधे हुए जातिगत समीकरण के सहारे मतदाताओं को अपने पक्ष में करने की रणनीति बनाई है।

भाजपा के जिला मीडिया प्रभारी सचिन चतुर्वेदी ने बताया कि ४० वर्षीय निर्भय पांडे को जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंप गई है।

वह मूलरूप से कोसीकलां के रहने वाले हैं। पार्टी के पुराने कार्यकर्ता हैं। इससे पहले किसान मोर्चा के जिला महामंत्री, युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष, जिला महानगर मंत्री के पद पर रह चुके हैं। पिछले ३ साल से उन पर कोई पद नहीं था।

पदविहीन रहते हुए संगठन में कम कर रहे थे। किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले निर्भय पांडे ने कहा कि पार्टी ने उनको जो जिम्मेदारी दी है। इसका निर्वहन पूरी मेहनत के साथ करेंगे। लोकसभा चुनाव जीताकर दिखाएंगे।

इधर, महानगर कार्यकारिणी के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी पार्टी ने ६२ वर्षीय घनश्याम लोधी को दी है। पिछले ५० वर्ष से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहे घनश्याम लोधी इससे पहले हिंदू जागरण मंच के प्रांतीय अध्यक्ष रह चुके हैं। वर्तमान में उनके पास महानगर उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी थी। इसके अलावा वह पिछड़ा वर्ग आयोग उत्तर प्रदेश के सदस्य भी हैं। इनको महानगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी देने के पीछे बताया जा रहा है कि पार्टी मथुरा लोकसभा के ३.५० लाख ओबीसी वोटरों को सीधे तौर पर साधने की रणनीति पर कम कर रही है। इधर मथुरा में करीब एक लाख लोधी वोट हैं, जिसे घनश्याम लोधी भाजपा के पक्ष में करने में सफल हो सकते हैं।

लोकसभा चुनाव को भाजपा ने बिछाई बिसात

आगामी ६ माह में लोकसभा का चुनाव होने जा रहा है। मथुरा लोकसभा सीट भाजपा के लिए प्रतिष्ठा का सवाल है। वर्तमान में अभिनेत्री हेमा मालिनी यहां से सांसद हैं। श्रीराम जन्मभूमि मुद्दे के बाद भाजपा के पास अब श्रीष्ण जन्मभूमि का मुद्दा ऐसा है, जो वर्तमान में देशभर में छाया हुआ है। ऐसे में पार्टी संगठन मथुरा लोकसभा सीट पर कोई भी चूक करने की गुंजाइश नहीं छोड़ रही है। वोटरों को रिझाने के जातिगत समीकरणों को देखा जाए तो मथुरा लोकसभा में करीब ५रू३० लाख ब्राह्मण वोट है। इस पूरे वर्ग को साधने की जिम्मेदारी जिला अध्यक्ष के तौर पर निर्भय पांडे और विधायक के तौर पर श्रीकांत शर्मा के कंधों पर है।

खेला बड़ा दाव

वहीं, जिले में ५ लाख जाट वोट है। इस वर्ग को साधने के लिए पार्टी ने हाल में हुए सहकारिता चुनाव में तेजवीर सिंह को उत्तर प्रदेश सहकारी बैंक का अध्यक्ष बनवाया है। इससे पहले विधानसभा चुनाव में राजेश चौधरी और लक्ष्मी नारायण चौधरी पर दाव खेला। दोनों ही वर्तमान में भाजपा के विधायक हैं। इसके बाद ठाकुर वोट लोकसभा सीट पर तकरीबन ३.३० लाख है। इन वोटरों को रिझाने के लिए पार्टी के पास गोवर्धन विधायक ठाकुर मेक श्याम सिंह और एमएलसी ठाकुर ओमप्रकाश हैं। मथुरा शहर में वैश्य समाज का करीब २ लाख वोट है। इनको रिझाने के लिए पार्टी लंबे समय से विनोद अग्रवाल पर दावा खेलती रही है। मेयर विनोद अग्रवाल अभी तक महानगर अध्यक्ष की भी कमान संभाल रहे थे। दो पद होने के चलते पार्टी ने उनसे महानगर अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी वापस ली है।

सलमा को मिली नई जिंदगी

डाक्टर नितिन ने जटिल आपरेशन कर बच्चेदानी से निकाली पांच किलो की गांठ

पीलीभीत। पीलीभीत के मेडिकल कालेज में सर्जन डाक्टर नितिन मलिक ने जटिल आपरेशन कर महिला मरीज को नई जिंदगी दी है। महिला की बच्चेदानी में पांच किलो की गांठ थी। जिसके चलते वह दो साल से दर्द झेल रहा थी। डाक्टर ने सफल आपरेशन कर गांठ को निकाल दिया। चिकित्सक को धरती का भगवान कहा जाता है। इस बात को पीलीभीत के मेडिकल कालेज के सर्जन डाक्टर नितिन मलिक ने शुक्रवार को सच साबित कर दिया। न्यूरिया क्षेत्र की ४८ साल की सलमा बीते करीब दो साल से दर्द से काफी परेशान थीं। कई जगह इलाज करने के बाद उसको लाभ नहीं मिल पा रहा था। किसी तरह से उसे मेडिकल कालेज में सर्जन डाक्टर नितिन मलिक को लेकर जानकारी हुई। जानकारी होने के बाद वह अपने पति नफीस अहमद के साथ ११ अगस्त को मेडिकल कालेज आई। जहां पर सर्जन डाक्टर नितिन मलिक को दिखाया। सर्जन ने महिला की समस्त जांच करने के बाद उसका अल्ट्रासाउंड करवाया। अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट में महिला के बच्चेदानी में भारी भरकम गांठ होना सामने आया। इस पर सर्जन ने महिला को भर्ती कर लिया।

महिला को दर्द से मिला छुटकारा

डाक्टर नितिन ने शुक्रवार को महिला का आपरेशन किया। आपरेशन के दौरान महिला के बच्चेदानी से करीब पांच किलो की गांठ निकाली गई। गांठ निकलने के बाद महिला को काफी राहत महसूस हुई। होश आने पर महिला ने चिकित्सक को बताया कि वह उनके लिए किसी भगवान से कम नहीं है। इसको लेकर दो साल से परेशान घूम रही थी। महिला अब पूर्ण रूप से स्वस्थ है।

मेडिकल क लेज के सर्जन डाक्टर नितिन मलिक ने बताया कि महिला को ११ तारीख में जांच करने के बाद भर्ती किया गया था। शुक्रवार को उसका अ परेशन कर पांच किलो की गांठ निकाली गई। महिला अब पूर्ण रूप से स्वस्थ है।

शुक्रवार को सर्जन ने किया अपना अंतिम आपरेशन

१५ जुलाई वर्ष २०१९ में संविदा पर बतौर सर्जन डाक्टर नितिन मलिक की यहां पर तैनाती की गई थी। उन्होंने अभी तक ४००० से अधिक अ परेशन कर लोगों की जान बचाई है। शुक्रवार को उन्होंने जिला अस्पताल में सलमा नाम की महिला का अंतिम अ परेशन किया। अब उन्होंने जिला अस्पताल को बाय-बाय कह दिया है।

चिकित्सक डाक्टर नितिन मलिक ने बताया कि साढ़े चार साल की सेवा के दौरान उन्होंने कई ऐसे जटिल अ परेशन किए, जो लोगों के लिए काफी मुश्किल थे। बहुत अधिक जटिल आपरेशन होने के बाद भी उन्होंने निराशा हाथ नहीं आने दी और मरीजों को नया जीवनदान दिया। अब जिला अस्पताल को छोड़कर अपनी निजी प्रैक्टिस करेंगे।

सुल्तान आफ दिल्ली का टीजर हुआ जारी

अपराध और सत्ता की झलक दिखाती है सीरीज

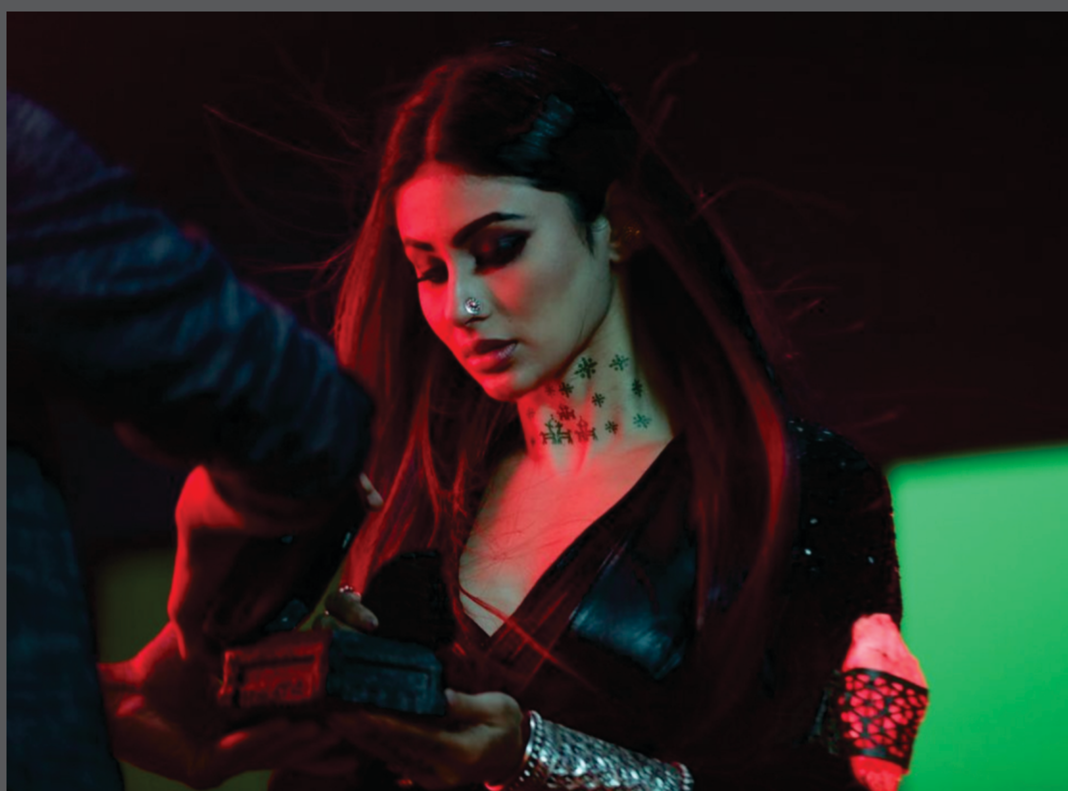

एंटरटेनमेंट डेस्क। अभिनेत्री मौनी राय काफी समय से ब लीवुड फिल्मों से दूर हैं। हालांकि, अभिनेत्री को कई म्यूजिक वीडियो में देखा गया है। अब इन दिनों मौनी अपनी आगामी पीरियड ड्रामा वेब सीरीज श्सुल्तान अ फ दिल्लीश को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। मौनी और ताहिर राज भसीन दो बहुत ही दिलचस्प अभिनेता हैं, जो काफी समय से साथ हैं। दोनों मिलन लुथरिया की आगामी पीरियड ड्रामा वेब सीरीज सुल्तान आफ दिल्ली में साथ काम करेंगे। अब हाल ही में, वेब सीरीज का टीजर रिलीज किया गया है, जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है।

सुल्तान आफ दिल्ली का टीजर हुआ जारी

गौरतलब है कि मिलन लुथरिया को अन्य परियोजनाओं के अलावा द डर्टी पिक्चर और वन्स अप न ए टाइम इन मुंबई जैसी फिल्में बनाने के लिए जाना जाता है।मिलन लुथारिया की पीरियड ड्रामा वेब सीरीज सुल्तान आफ दिल्ली का टीजर रिलीज हो गया है। इसमें मौनी राय और ताहिर राज भसीन जैसे कई दिलचस्प कलाकार हैं। ३० सेकेंड के इस टीजर में हमें अपराध और सत्ता की इस दुनिया की एक झलक मिलती है। टीजर में १९६० के भारत की झलक देखने को मिलती है।

अपराध और सत्ता की झलक दिखाती है सीरीज

मिलन की आखिरी फिल्म २०२१ की रोमांटिक एक्शन ड्रामा तड़प थी, जिसमें तारा सुतारिया ने अभिनय किया था। यह सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी की पहली फिल्म थी। दूसरी ओर ताहिर को आखिरी बार वेब सीरीज ये काली काली आंखें और कामेडी थ्रिलर लूप लपेटा में देखा गया था। दोनों को २०२१ में रिलीज किया गया था। मौनी को पहले अयान मुखर्जी की साइंस फिक्शन एक्शन ब्लाकबस्टर ब्रह्मास्त्र में भूमिका निभाते हुए देखा गया था।

इस किताब पर आधारित है सीरीज

बता दें कि इस वेब सीरीज को मिलन लुथरिया ने निर्देशित किया है। यह सीरीज रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है। सुपर्ण वर्मा सह-निर्देशक और सह-लेखक के रूप में कार्यरत हैं। यह सीरीज अर्णब रे की किताब सुल्तान आफ दिल्लीः एसेंशन पर आधारित है।

ब्लैक वाटर पीते हैं शाहरुख खान

संजीता भट्टाचार्य ने जवान के सेट पर पूछे थे किंग खान से कई सवाल

एंटरटेनमेंट डेस्क। संजीता भट्टाचार्य हैरान रह गईं जब उन्हें यह पता चला कि शाहरुख खान के साथ काम करने का मौका मिल रहा है। संजीता ने शाहरुख के साथ अपनी बातों को याद करते हुए कई बातें साझा की हैं। जवान में नजर आईं संजीता भट्टाचार्य उस वक्त हैरान रह गईं, जब उन्हें पता चला कि उन्हें शाहरुख खान के साथ काम करने का मौका मिल रहा है। हाल ही में एक इंटरव्यू में संजीता ने बताया कि जवान के सेट पर वह शाहरुख खान से ढेरों सवाल पूछा करती थीं। एक्ट्रेस के मुताबिक जो भी उनके मन में आता, वह किंग खान से बेझिझक होकर पूछ लिया करतीं। इनमें शाहरुख खान की ब्लैक काफी और ब्लैक वाटर से जुड़े सवाल भी शामिल थे। बता दें कि संजीता ने जवान में हेलेना नाम की हैकर का किरदार निभाया है।

शाहरुख से कई सवाल पूछती थीं संजीता

संजीता ने शाहरुख के साथ अपनी बातों को याद करते हुए कहा, मैं उनसे कुछ भी मतलब हर चीज पूछा करती थी, जैसे यह पानी क्या है, यह परफ्यूम कौन सा है।श संजीता के अलावा लहर खान ने भी कहा कि शाहरुख खान खुशी-खुशी उनके सभी सवालों का जवाब देते थे। वहीं, संजीता ने कहा, उन्होंने सभी सवालों के जवाब दिए और कहा कि ब्लैक वाटर है पीकर देखिए।

संजीता ने बताया कैसे शाहरुख के साथ शुरू हुई उनकी बात

इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि कैसे शाहरुख के साथ उनकी बातचीत शुरू हुई। संजीता ने कहा, श्उनकी तरफ से सबसे पहले बात शुरू हुई थी। उन्होंने बस इतना पूछा कि आप कहां से हो। फिर हमारी बातें शुरू हुईं। मैंने कहा दिल्ली तो, उन्होंने कहा दिल्ली में कहां? मैंने कहा, राजेंद्र नगर तो इस पर उन्होंने बताया, श्मेरा स्कूल राजेंद्र नगर में था। ऐसे हमने बात करना शुरू की, हमने दिल्ली के खाने के बारे में बहुत बातें कीं, तो वह याद करने लगे।

शाहरुख के बारे में क्या बोलीं संजीता

एक मीडिया बातचीत में संजीता ने कहा, श्शाहरुख बेहद ही सहज हैं। सेट पर हम सभी एक जैसे ही रहते थे। वह कभी भी खुद को ऊंचा दिखाकर लोगों को छोटा नहीं दिखाते थे। वह फैंस से मिलने वाले बेशुमार प्यार के बारे में वह बहुत अच्छे से जानते हैं, लेकिन कभी इसे खुद पर हावी नहीं होने देते हैं। शाहरुख खान के साथ काम करके बहुत कुछ सीखा है कि आप कैसे विनम्र रह सकते हैं और खुद को एक बड़े स्टार की तरह नहीं पेश करना चाहिए। वह वाकई में बहुत अच्छे इंसान हैं। मुझे उम्मीद है कि मुझे दोबोरा उनके साथ काम करने का मौका मिलेगा।

बायोटेक इंजीनियर हैं गदर 2 की सकीना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में हर साल लाखों की संख्या में छात्र इंजीनियरिंग करते हैं। देशभर के लगभग हर क्षेत्र में इंजीनियर्स अपनी काबिलियत दिखा रहे हैं। इस लिस्ट में बालीवुड भी शामिल है। फिल्म इंडस्ट्री में भी कुछ ऐसे कलाकार हैं, जो इंजीनियरिंग की डिग्री लेने के बाद आज शोबिज में नाम कमा रहे हैं। आज यानी १५ सितंबर को पूरे देशभर में इंजीनियर्स डे सेलिब्रेट किया जा रहा है। इस दिन को भारत के महान इंजीनियर एम विश्वेश्वरैया के योगदान को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। इस खास मौके पर आपको बालीवुड के कुछ ऐसे ही स्टार्स के बारे में बताएंगे, जो इंजीनियर भी रह चुके हैं।

कृति सेनन

टाइगर श्राफ के साथ फिल्म हीरोपंती से ब लीवुड में डेब्यू करने वाली ति सैनन ने इंजीनियर की पढ़ाई की हुई है। ति सेनन ने नोएडा के जेपी इंस्टिट्यूट आफ इनफार्मेशन टेक्नोल जी से इलेक्ट्र निक एंड कम्युनिकेशन में बीटेक की डिग्री हासिल की है। इसके बाद अभिनेत्री ने माडलिंग से शुरुआत करते हुए साल २०१२ में पहली बार तेलुगु फिल्म में काम किया। आज कृति सेनन का नाम ब लीवुड की टाप अभिनेत्रियों में लिया जाता है और इस साल एक्ट्रेस ने फिल्म मिमी के लिए नेशनल अवार्ड भी जीता है।

अमीषा पटेल

गदर २ की सकीना यानी अमीषा पटेल दर्शकों के दिलों पर राज कर रही हैं। एक्ट्रेस ने ब लीवुड में एंट्री करते ही धमाकेदार डेब्यू किया था। इससे पहले उन्होंने अपने एजुकेशन में भी कोई कमी नहीं रहने दी। सकीना बेहद पढ़ी- लिखी हैं। उन्होंने अमेरिका से बायोटेक इंजीनियरिंग में डिग्री ली है।

जितेंद्र कुमार

फैंस के बीच जीतू भैया के नाम से फेमस अभिनेता जितेंद्र कुमार एक आईआईटीयन रह चुके हैं। उन्होने सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई आईआईटी खड़गपुर से की है। जितेंद्र कुमार को एक्टिंग करने का भी मन था, इसलिए क लेज के दौरान उन्होने कई स्टेज प्ले किए। इसी दौरान उनकी मुलाकात द वायरल फीवर के राइटर और एग्जीक्यूटिव क्रिएटिव डायरेक्टर बिस्वापति सरकार से हुई। टीवीएफ ज्वाइन करने के बाद जितेंद्र कुमार आगे बढ़ते चले गए और कई बेहतरीन वेब सीरीज व फिल्मों में काम किया।

विक्की कौशल

दमदार अदाकारी से दर्शकों के दिलों पर राज करने वाले एक्टर विक्की कौशल ने भी बीटेक का कोर्स किया है। विक्की ने साल २००९ में राजीव गांधी इंस्टीट्यूट अ फ टेक्नोल जी से इलेक्ट्र निक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन की पढ़ाई की। जब विक्की को लगा कि इंजीनियरिंग में उनका करियर नहीं है तो उन्होंने अभिनय की ओर रुख किया। फिर विक्की कौशल को उनकी पहली ही फिल्म मसान से कामयाबी मिल गई, इसके बाद एक्टर ने रमन राघव २.०, राजी और संजू जैसी कई फिल्मों में बेहतरीन अभिनय से दर्शकों को अपना दीवाना बना दिया। विक्की को फिल्म उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक के लिए नेशनल अवार्ड से भी सम्मानित किया गया था।

कार्तिक आर्यन

ड क्टर फैमिली में जन्मे कार्तिक हमेशा से पढ़ाई में भी अच्छे थे। कार्तिक आर्यन ने मुंबई से बायोटेक टेक्नोल जी में इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। पढ़ाई के साथ-साथ कार्तिक फिल्मों में भी काम करने की कोशिश कर रहे थे। कई अ डिशन देने के बाद उन्हें फिल्म प्यार का पंचनामा मिली। यह फिल्म सुपरहिट रही थी, जिसके बाद कार्तिक ने फिर कभी पीछे मुड़ कर नहीं देखा और अब तक कई हिट फिल्मों में बेहतरीन अभिनय कर चुके हैं।

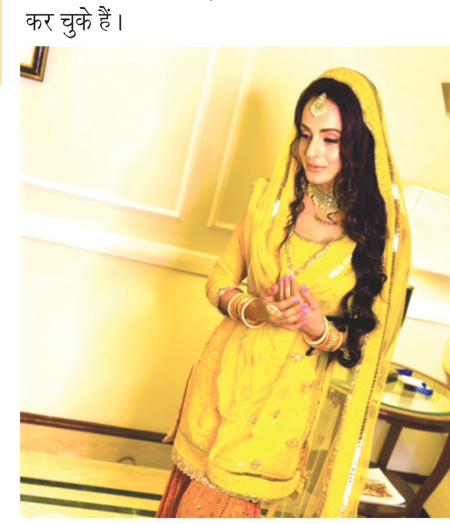

बीच क्यों नहीं खेली जाती द्विपक्षीय सीरीज

नई दिल्ली, स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय क्रिकेट टीम कोलंबो में एशिया कप खेल रही है। पिछले कई सालों से भारत और पाकिस्तान के बीच कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली जाती हैं। दोनों टीमें अब सिर्फ आईसीसी और कान्टिनेंटल टूर्नामेंट में ही एक दूसरे से मुकाबला करती हैं। अब इस पर खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने बड़ा बयान देते हुए खुलासा किया है और कहा कि बीसीसीआई ने यह फैसला काफी पहले कर लिया था। भारतीय क्रिकेट टीम कोलंबो में एशिया कप खेल रही है। इस बीच टीम ने अपने कड़े प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ दो मुकाबले खेले, जिसमें पहला मैच बारिश की भेंट चढ़ गया और दूसरे में भारत ने शानदार जीत अपने नाम की।

दोनों देशों के बीच नहीं खेली जाती द्विपक्षीय सीरीज–

पिछले कई सालों से भारत और पाकिस्तान के बीच कोई द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली जाती हैं। दोनों टीमें अब सिर्फ आईसीसी और क न्टिनेंटल टूर्नामेंट में ही एक दूसरे से मुकाबला करती हैं। दोनों देश के बीच खेले जाने वाली क्रिकेट सीरीज को लेकर खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने बड़ा बयान दिया है।

क्या बोले खेल मंत्री–

अब खेल मंत्री ने कहा कि ष्जहां तक खेल का सवाल है, बीसीसीआई ने बहुत पहले ही फैसला कर लिया था कि पाकिस्तान के साथ तब तक कोई द्विपक्षीय मैच नहीं होंगे जब तक वे सीमा पार आतंकवाद और घुसपैठ नहीं रोकते। मुझे लगता है कि यह इस देश के हर आम नागरिक की भावना है।

चर्चाओं का बाजार गर्म–

हाल ही में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ के दौरान सेना के एक कर्नल, एक मेजर और जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक डीएसपी के शहीद होने के भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट संबंधों को लेकर चर्चाएं तेज हैं। बता दें कि एशिया कप २०२३ का आयोजन पाकिस्तान में किया जाना था, लेकिन बीसीसीआई ने भारत सरकार से अनुमति न मिलने के कारण टीम को पाकिस्तान न भेजने की बात कही।

पीसीबी ने दी धमकी–

ऐसे में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भारत में होने वाले २०२३ वनडे विश्व कप का बहिष्कार करने की बात कही। ऐसे में एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने टूर्नामेंट का हाइब्रिड माडल के तहत आयोजन किया, जिसके चलते कुछ मैच पाकिस्तान में और कुल श्रीलंका में खेलने का फैसला किया।

विश्व कप में अनोखा इतिहास रचने वाले ये 4 खिलाड़ी

नई दिल्ली। किसी भी खिलाड़ी के लिए विश्व कप में अपने देश का प्रतिनिधित्व करना सपना होता है लेकिन चार खिलाड़ी ऐसे भी हैं जिन्होंने इस वैश्विक टूर्नामेंट में एक से अधिक देशों का प्रतिनिधित्व किया है। इंग्लैंड २०१६ से पहले कभी भी इस वनडे विश्व कप में चैंपियन नहीं बना था। मोर्गन २०१५ विश्व कप में भी इंग्लैंड के कप्तान थे लेकिन उस वक्त टीम बेहतर प्रदर्शन नहीं कर सकी थी। किसी भी खिलाड़ी के लिए विश्व कप में अपने देश का प्रतिनिधित्व करना सपना होता है, लेकिन चार खिलाड़ी ऐसे भी हैं जिन्होंने इस वैश्विक टूर्नामेंट में एक से अधिक देशों का प्रतिनिधित्व किया है।

मोर्गन ने तीन बार किया इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व–

२००७ विश्व कप में आयरलैंड के लिए खेलने वाले इयोन मोर्गन ने २०११, २०१५ और २०१६ विश्व कप में इंग्लैंड की टीम का प्रतिनिधित्व किया। मोर्गन इंग्लैंड के सबसे सफल कप्तान बने जिन्होंने अपनी कप्तानी में पहली बार टीम को विश्व विजेता बनाया।

वर्ल्ड कप के पहले मुसीबत में कंगारू टीम

नई दिल्ली, स्पोर्ट्स डेस्क। भारत की मेजबानी में ५ अक्टूबर से वनडे वर्ल्ड कप खेला जाएगा। एक तरफ जहां हर टीम अपनी तैयारियां पूरी करने में जुटी हैं। वहीं वर्ल्ड कप से पहले अ स्ट्रेलिया को बड़ा झटका लगा है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुक्रवार को एक चौथे वनडे अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान स्टार सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड चोटिल हो गए। उनके हाथ में चोट लगी है।

वनडे वर्ल्ड कप २०२३ से पहले आस्ट्रेलिया को एक बड़ा झटका लगा है। आस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड चोटिल हो गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथे वनडे में बल्लेबाजी करते समय उनका हाथ टूट गया है।

भारत की मेजबानी में ५ अक्टूबर से वनडे वर्ल्ड कप खेला जाएगा। एक तरफ जहां हर टीम अपनी तैयारियां पूरी करने में जुटी हैं। वहीं, वर्ल्ड कप से पहले आस्ट्रेलिया को बड़ा झटका लगा है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुक्रवार को एक चौथे वनडे अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान स्टार सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड चोटिल हो गए। अब अगले महीने के विश्व कप में उनकी भागीदारी पर संदेह है।

गेराल्ड कोएत्जी के ओवर में हुए घायल

दरअसल, सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलते हुए ट्रेविस हेड को गेराल्ड कोएत्जी की गेंद हाथ पर लगी। इसके बाद वह दर्द से कराहते हुए दिखे। फिजियो मैदान पर आए, चोट की गंभीरता को देते हुए वह रिटायर हर्ट हो गए और दोबारा बल्लेबाजी करने नहीं आए।

कोच ने की पुष्टि

मैच के बाद अ स्ट्रेलिया के कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा, यह एक फ्रेक्चर है, लेकिन चोट कितनी गंभीर है, इसका आंकलन कल किया जाएगा। स्कैन किए जाएंगे। वर्ल्ड कप नजदीक आ रहा है हम दुआ करते हैं कि सब ठीक हो।

आस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाजों में शामिल

बता दें कि पिछले डेढ़ साल से ट्रेविस हेड आस्ट्रेलिया के लिए एक स्टार बल्लेबाज बनकर उभरे हैं। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दौरे पर ट्रेविस हेड का बल्ला खूब बोला है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में भारत को मात देने में हेड ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। एशेज सीरीज में ट्रेविस हेड का प्रदर्शन अच्छा रहा। वह उस्मान ख्वाजा और स्टीव स्मिथ के बाद आस्ट्रेलिया के लिए तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे।

बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट खोकर २६५ रन बनाए। सबसे ज्यादा ८० रन का योगदान कप्तान शाकिब अल हसन ने दिया। तौहिद हृदोय ने ५४ और नसुम अहमद ने ४४ रन बनाए। भारत के लिए शार्दुल ठाकुर ने तीन और मोहम्मद शमी ने दो विकेट लिए। प्रसिद्ध, अक्षर और जडेजा को एक-एक विकेट मिला।

२६६ रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम सभी १० विकेट खोकर २५९ रन ही बना पाई। शुभमन गिल ने १२१ रन की शानदार पारी खेली, लेकिन उन्हें किसी का साथ नहीं मिला। ४२ रन बनाने वाले अक्षर दूसरे सर्वश्रेष्ठ स्कोरर रहे। बांग्लादेश के लिए मुस्तफिजुर रहमान ने तीन विकेट लिए। महेदी हसन और तंजिम हसन को दो-दो विकेट मिले। शाकिब और मेहदी ने एक-एक विकेट लिया।

फाइनल मैच से पहले टीम इंडिया की हार चिंता बढ़ाने वाली है। एशिया कप के सुपर चार राउंड में पाकिस्तान और श्रीलंका से हारने वाले बांग्लादेश ने टीम इंडिया को हरा दिया। इस मैच में गिल को छोड़ भारत के सभी बल्लेबाज फेल रहे। एशिया कप २०२३ में सुपर चार राउंड के आखिरी मैच में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा है। बांग्लादेश ने भारत को छह रन से हराया। मौजूदा एशिया कप में यह भारत की पहली हार है। हालांकि, टूर्नामेंट के लिहाज से इस मैच का कोई महत्व नहीं था और टीम इंडिया १७ सितंबर को श्रीलंका से फाइनल खेलेगी। वहीं, बांग्लादेश का सफर इस जीत के साथ ही खत्म हो गया।

बांग्लादेश की पारी में क्या हुआ ?

कप्तान शाकिब अल हसन (८०) और तौहीद हृदय (५४) ने वनडे एशिया कप के सुपर-४ मुकाबले में शुक्रवार को भारत के खिलाफ बांग्लादेश को आठ विकेट पर २६५ रन बनाने में मदद की। शाकिब ने ८५ गेंदों की पारी में छह चौके और तीन छक्के लगाए जबकि तौहीद ने ८१ गेंदों पर ५४ रन बनाकर कप्तान का अच्छा साथ निभाया। दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए १०१ रन की साझेदारी हुई। खबर लिखे जाने तक भारत ने १७ ओवरों में दो विकेट पर ७४ रन बना लिए थे। शुभमन गिल ४२ और केएल राहुल १६ रन बनाकर खेल रहे थे।

भारतीय टीम ने ट स जीतकर पहले बांग्लादेश को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया था। एशिया कप से पहले ही बाहर हो चुकी बांग्लादेश ने चार विकेट पर ५६ रन पर गंवा दिए थे लेकिन शाकिब और तौहीद ने पारी को संभाला। बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल की गेंद पर शाकिब ने लगातार दो छक्के लगाए।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो. नं. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होंगे।